राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 14 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-176 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिक्षा को वैश्विक बनाने की तैयारी कर रहा सीबीएसई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) अपनी शिक्षा को ग्लोबल बनाने के लिए तैयारी तेज कर दी है। बोर्ड

का इरादा है कि अगले साल वो अपना 'ग्लोबल करिकुलम' शुरू कर दे, इसके लिए तकनीकी मदद लेने के लिए अब एक खास एजेंसी भी चुनी जाएगी। बोर्ड का मानना है कि उसका ग्लोबल करिकुलम मौजूदा इंटरनेशनल बोर्ड का एक मजबूत और किफायती विकल्प होगा। हाल ही में हुई गवर्निंग बॉडी की बैठक में इस प्रोजेक्ट को लॉन्च करने और टेक्निकल सपोर्ट देने के लिए एजेंसी चुनने का प्रस्ताव मंजूर हो चुका है। इस पर करीब 20 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। नया करिकुलम सीबीएसई बोर्ड के भारतीय शिक्षा प्रणाली में सालों के अनुभव पर आधारित होगा। ग्लोबल पैमानों पर बनने वाला यह करिकुलम संतुलन बनाएगा।

- **देश भर में बनेंगे वर्ल्ड क्लास स्कूल**

कांग्रेस ने खरीदे थे 3000 वोट,अब बीजेपी पहुंची ईसी

2018 के चुनाव में 1696 वोट से जीते थे सिद्धारमैया

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने कर्नाटक में कांग्रेस पर वोट खरीदने के आरोप लगाए हैं। भाजपा सांसद लहार सिंह सिरोया के आरोप हैं कि कांग्रेस ने 2018 में बदामी सीट पर वोट खरीदे थे। खास बात है कि इस सीट से सिद्धारमैया खड़े हुए थे और उन्होंने मामूली अंतर से जीत दर्ज की थी। सिरोया ने इस संबंध में ईसीआई यानी भारत निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है और जांच की मांग की है। खास बात है कि कांग्रेस वोट चोरी के आरोपों को लेकर लगातार सरकार को घेर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 12 अगस्त को सिरोया ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री और सिद्धारमैया के करीबी सीएम इब्राहिम के भाषण का जिक्र किया है।

जगन्नाथ मंदिर को नष्ट कर देंगे आतंकवादी ! धमकी

पुरी की दीवारों पर लिखे गए संदेश, पीएम मोदी का भी नाम

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब जगन्नाथ मंदिर के पास दीवारों पर आतंकवादी हमले की धमकी भरे संदेश लिखे पाए गए। 12वीं शताब्दी के इस प्रसिद्ध मंदिर के आसपास लिखी गई यह चेतावनी ओड़िया और अंग्रेजी भाषाओं में थी। धमकी मंदिर के समीप स्थित एक अन्य छोटे मंदिर की दीवार पर लिखी मिली, जो हेरिटेज कॉरिडोर

(परिक्रमा मार्ग) के पास है। संदेश में लिखा था – टेररिस्ट विल अटैक एन्ड डिस्टोरी दि जगन्नाथ टेम्पल यानी आतंकवादी जगन्नाथ मंदिर पर हमला कर उसे नष्ट कर देंगे। धमकी भरे संदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी उल्लेख था और कुछ मोबाइल नंबर लिखकर 'कॉल' करने का निर्देश दिया गया था। स्थानीय लोगों ने तुरंत इन संदेशों को मिटा दिया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना का खास मिसाइलों पर जोर

- **कहा-कम से कम 200 किमी से अधिक हो मारक क्षमता**

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना ने दुश्मन के सैन्य ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बनाने के लिए लंबी दूरी के हथियारों का खूब इस्तेमाल किया। इसे देखते हुए भारतीय वायुसेना अब 200 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता वाली मिसाइलों पर जोर दे रही है। ये हवा-से-जमीन, हवा-से-हवा और जमीन-से-हवा में टारगेट को भेद सकती हैं। ऑपरेशन के दौरान वायुसेना ने ब्रह्मोस, स्कैल्प, रैम्पेज और क्रिस्टल मेज जैसी मिसाइलों का इस्तेमाल किया, जिनकी मारक क्षमता 200 किमी से काफी अधिक है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायुसेना विभिन्न श्रेणियों में 200

किमी से अधिक की मारक क्षमता वाली मिसाइलों को प्राथमिकता दे रही है। वायुसेना ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन से हवा-से-हवा में मार करने वाली मिसाइल के रेंज को विस्तार देने की अपील की है, जो 200 किमी से अधिक दूरी के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम हों। एयरफोर्स रूसी आर-37 मिसाइल के वैरिएंट को हासिल करने की भी संभावना तलाश रही है, जिनकी रेंज 200 किमी से अधिक है। ये पश्चिमी और उत्तरी मोर्चों पर दुश्मनों के खिलाफ अहम बढ़त दिला सकती हैं। अधिकारियों ने बताया, हाल के ऑपरेशन में लंबी दूरी के हथियारों ने वायुसेना को 250-450 किमी की दूरी से लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम बनाया है। चीनी एचक्यू-9 वायु रक्षा प्रणालियों की चिंता किए बिना खतरों को प्रभावी ढंग से विफल किया गया।

- **300 किमी से अधिक की दूरी पर विमान को मार गिराया**

इसके अलावा, भारतीय वायुसेना 2 या अधिक स्क्वाड्रनों के एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम को हासिल करने की तैयारी में है, जो हथियार बनाने वाले की क्षमता पर निर्भर करेगा। मालूम हो कि एयरफोर्स ने 300 किमी से अधिक की दूरी पर एक निगरानी विमान को मार गिराया और रिकॉर्ड भी बना दिया था। एस-400 सिस्टम की तैनाती ने पाकिस्तान सेना को अपनी सीमा के भीतर गहराई में या कम ऊंचाई पर ऑपरेट करने के लिए मजबूर किया ताकि पता लगने और निशाना बनने से बचा जा सके।

मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया

मतदाताओं के हित में है

- **एसआईआर पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणी**

कहा-11 में से कोई 1 डाक्यूमेंट्स मांग रहा ईसी, इसमें गलत क्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को भी बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के लेकर विशेष पुनरीक्षण संशोधन को लेकर सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया को वोटर फ्रेंडली बताया। शीर्ष अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग ने 11 में से कोई एक दस्तावेज मांगा है। वहीं, याचिकाकर्ता की तरफ से मामले की पैरवी कर रहे सीनियर एडवोकेट ने दस्तावेजों की संख्या से असहमति जताई। मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस डॉयमाल्या बागची ने की। सुनवाई के दौरान जस्टिस बागची ने कहा कि

डॉक्यूमेंट की लिस्ट कई सरकारी विभागों से फीडबैक के आधार पर ही बनाई गई थी, ताकि अधिक लोगों के पास इनकी उपलब्धता हो। सिंघवी ने कहा कि बिहार में 1 से 2 फीसदी लोगों के पास ही स्थायी आवास प्रमाण पत्र है। उन्होंने कहा कि बिहार में जनसंख्या के आधार पर इन दस्तावेजों की उपलब्धतता काफी कम है। सिंघवी ने कहा-तीन बाक्स खाली हैं।

- **राज्य में 36 लाख लोगों के पास पासपोर्ट, ऐसे पेश न करें**- इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य में 36 लाख लोगों के पास पासपोर्ट है। इसे अच्छी संख्या कहा जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि बिहार को इस तरह पेश न करें। अखिल भारतीय सेवाओं में सबसे अधिक प्रतिनिधित्व इसी राज्य से है। आईएएस, आईपीएस, आईएफएस में सबसे अधिक प्रतिनिधित्व यहीं से है। अगर युवा आबादी प्रेरित नहीं होगी तो यह संभव नहीं हो सकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि मतदाताओं को लिस्ट में शामिल 11 दस्तावेजों में से कोई एक जमा करना अनिवार्य है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने इससे असहमति जताई और कहा कि यह गलत है।

आवारा कुत्तों के मामले में दोबारा विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

- **सीजेआई बीआर गवई ने दिलाया भरोसा, कहा-मैं खुद देखूंगा**

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर की सड़कों से आवारा कुत्तों पर लगे प्रतिबंध पर फिर से विचार करने आश्वासन दिया। सीजेआई ने कॉन्फ्रेंस फॉर ह्यूमन राइट्स (इंडिया) की याचिका पर सुनवाई करते हुए टिप्पणी की। इसकी सचिव ननीता शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में मामले में सुनवाई के लिए जल्द तारीख तय करने की मांग की थी। सीजेआई ने जब मामले की सुनवाई पहले होने की बात कही तो, याचिकाकर्ता ने

2024 में जस्टिस जेके माहेश्वरी की बेंच के आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि कुत्तों की बेहिसाब हत्या नहीं हो सकती। इससे पहले एससी ने 11 अगस्त को डॉग बाइट्स और रेबीज के मामलों को देखते हुए सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में दिल्ली-एनसीआर के आवासीय क्षेत्रों से हटाकर शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था। कोर्ट ने इस काम में बाधा डालने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी। हाईकोर्ट द्वारा निपटाने के बाद यह संगठन सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

देश का नागरिक बनने से पहले ही सोनिया बन गई थीं वोटर

- *एसआईआर पर विवाद के बीच भाजपा ने कर दिया बड़ा दावा*

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में जारी मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण पर जहां संसद से लेकर सड़क और सुप्रीम कोर्ट तक संग्राम मचा हुआ है और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी चुनाव आयोग

और भाजपा पर मिलीभगत का आरोप लगाकर हमलावर बने हुए हैं, वहीं भाजपा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस और गांधी परिवार पर पलटवार किया है। भाजपा आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने आरोप लगाते हुए दावा किया है कि एसआईआर पर हल्ला करने वाले राहुल गांधी की मां और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी भारत की नागरिक बनने से पहले ही यहां की वोटर बन गई थीं। उन्होंने कहा कि भारत की नागरिकता लेने से पहले ही सोनिया गांधी का नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया गया था।

- **1980 में जोड़ा गया था पहली बार नाम**- उस समय सोनिया गांधी और उनका परिवार देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आधिकारिक निवास 1, सफदरजंग रोड पर रहता था। इससे पहले तक, उस पते पर पंजीकृत मतदाता के रूप में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी और मेनका गांधी ही थे। 1980 में, नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में 1 जनवरी, 1980 को अर्हता तिथि मानकर संशोधन किया गया। इस संशोधन के दौरान, सोनिया गांधी का नाम मतदान केंद्र संख्या 145 की मतदाता सूची में क्रम संख्या 388 पर जोड़ा गया था।

टैरिफ वार के बीच अमेरिका जाएंगे पीएम मोदी

- **ट्रंप से भी हो सकती है मुलाकात, यूएन में भाषण**

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सितंबर के आखिरी सप्ताह में अमेरिका दौरे पर जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, यात्रा का औपचारिक कारण संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएन) में हिस्सा लेना है, लेकिन असली फोकस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से

मुलाकात कर व्यापार विवाद सुलझाना और टैरिफ पर सहमति बनाना होगा। इस दौरान दोनों नेता एक व्यापार समझौते की घोषणा भी कर सकते हैं, बशर्ते कि मौजूदा अड़चनें दूर हो जाएं। 15 अगस्त को ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात होने वाली है, जिसमें यूक्रेन युद्ध पर बात होगी।

प्रियंका गांधी की टी-शर्ट देख भड़कीं मिंता देवी

पूछा-कौन हैं वो लोग मेरे,बगैर पूछे नाम क्यों लिखा

सिवान (एजेंसी)। बिहार की मिंता देवी कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के ऊपर भड़की हुई हैं। मिंता देवी ने पूछा है कि इन लोगों ने मुझसे बिना पूछे ऐसा किया कैसे। गौरतलब है कि प्रियंका गांधी और इंडिया गठबंधन के अन्य सांसदों ने बिहार के एसआईआर को लेकर मंगलवार को प्रदर्शन किया था। इस दौरान उन्होंने एक टी-शर्ट पहनी थी, जिसपर मिंता देवी की फोटो छपी हुई थी। विपक्षी सांसदों का आरोप है कि मिंता देवी की उम्र वोटर लिस्ट में 124 साल लिखी गई है।

अब मिंता देवी ने इस पर आपत्ति जताई है। बिहार के सिवान में मिंता देवी ने कहा कि मुझे इसके बारे में 2-4 दिन पहले ही पता चला। विपक्षी सांसद मेरे कौन होते हैं। प्रियंका गांधी या राहुल गांधी मेरे कौन होते हैं। इन लोगों को किसने अधिकार दिया कि मेरा नाम लिखा, मेरी फोटो छपी टी-शर्ट पहनें। मिंता देवी ने विपक्षी सांसदों से नाराजगी जताते हुए कहाकि मेरी उम्र के ऊपर यह लोग मेरे हितैषी

क्यों बन रहे हैं। ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। मैं ऐसा बिल्कुल नहीं चाहती हूं। वोटर लिस्ट को लेकर मिंता देवी ने कहा कि मुझे लगता है कि कुछ असमानताएं हैं। हालांकि अभी तक प्रशासन की तरफ से उनके पास कोई फोन नहीं आया है। उन्होंने कहाकि मैं चाहती हूं कि मेरी जो भी डिटेल्स हैं, उसे सही किया जाए। जिस किसी ने भी यह डिटेल्स भरीं, क्या उन्होंने अपनी आंखें बंद कर रखी थीं। मिंता देवी ने सरकार से भी नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि अगर मेरी उम्र 124 साल है तो वह लोग मुझे वृद्धा पेंशन क्यों नहीं दे रहे हैं। मिंता देवी ने आगे बताया कि आधार कार्ड पर मेरी जन्मतिथि 15 जुलाई 1990 है। इसको लेकर कई सांसदों ने प्रदर्शन किया था।

ओबीसी क्रीमीलेयर पर मोदी सरकार का बड़ा प्रस्ताव

आरक्षण दायरे से बाहर हो सकते हैं कुछ लोग, 6 मंत्रालयों में मंथन

कुछ उपक्रमों में समतुल्यता का निर्णय 2017 में लिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के विभिन्न वर्गों के बीच आरक्षण का लाभ पहुंचाने के लिए एक ऐसे प्रस्ताव पर विचार कर रही है, जो विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, विश्वविद्यालयों और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के बीच क्रीमीलेयर के मामले में समतुल्यता स्थापित करता हो। यानी जो लोग इन संगठनों में कार्यरत हैं और पद एवं वेतनमान के मामले में क्रीमीलेयर वाली आय सीमा में आते हैं, उन्हें क्रीमीलेयर के दायरे में लाया जा सकता है। दरअसल, सरकार मौजूदा समय में अन्य पिछड़ा वर्ग 'क्रीमी लेयर' का दायरा बढ़ाकर नए मानदंड लागू करना चाहती है, ताकि ओबीसी आरक्षण का लाभ समाज के निचले तबके तक पहुंच सके और इस समुदाय के संपन्न या उच्च पदों पर मौजूद लोगों को इससे बाहर किया जा सके। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि आय बहिष्करण मानदंड लागू करने और

समतुल्यता स्थापित करने के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह प्रस्ताव सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, विधि मामलों के मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, नीति आयोग और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के बीच परामर्श के बाद तैयार किया गया है। बता दें कि 1992 में इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद ओबीसी के भीतर क्रीमी लेयर की अवधारणा को आरक्षण नीति में शामिल किया गया था। इसके तहत जो लोग सरकारी नौकरियों में उच्च पदों पर नहीं थे, उनके और अन्य के लिए क्रीमी लेयर की आय सीमा शुरुआत में 1993 में 1 लाख रुपये प्रति वर्ष निर्धारित की गई थी। बाद में 2004, 2008 और 2013 में इस आय सीमा में संशोधन किया गया। 2017 में क्रीमीलेयर की आय सीमा बढ़ाकर 8 लाख रुपये प्रति वर्ष की गई, जो अभी भी बरकरार है। ओबीसी क्रीमीलेयर से मतलब ओबीसी समुदाय के उन लोगों से है जो मलाईदार कहे जाते हैं। इसके तहत वैसे लोगों को शामिल किया गया था, जो सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत हों।

मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर, ओबीसी के 'गैर-क्रीमी लेयर' को केंद्र सरकार की भर्तियों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में 27 फीसदी का आरक्षण दिया जाता है। राज्य सरकारों में, यह आरक्षण प्रतिशत अलग-अलग है। समतुल्यता के अभाव में, ओबीसी को जाति प्रमाण पत्र जारी करने में कठिनाई होती रही है। हालांकि कुछ केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में समतुल्यता का निर्णय 2017 में लिया गया था, लेकिन निजी क्षेत्र के साथ-साथ विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और राज्य सरकारों के विभिन्न संगठनों के लिए यह अभी भी लंबित है। सरकार अब इसे भी उस दायरे में लाना चाहती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चूंकि विश्वविद्यालयों के सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर जैसे शिक्षण कर्मचारियों का वेतन आमतौर पर लेवल 10 और उससे ऊपर से शुरू होता है, जो सरकारी पदों में ग्रुप-ए के पदों के बराबर या उससे अधिक है, इसलिए इन पदों को भी अब 'क्रीमी लेयर' के रूप में वर्गीकृत करने का प्रस्ताव है। इसका सीधा-सीधा अर्थ ये है कि अगर सरकार ने समतुल्यता प्रस्ताव लागू किया तो इन पदों पर कार्यरत लोगों के बच्चे ओबीसी आरक्षण का लाभ नहीं उठा पाएंगे। इसी तरह निजी क्षेत्र में भी पदों की विभिन्न कैटगरी, उनके वेतन और सुविधाओं को देखते हुए सरकार समतुल्यता स्थापित करना चाह रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अखंड भारत के साधक पेशवा बाजीराव

पेशवा बाजीराव मात्र बीस वर्ष की आयु में पेशवाई गद्दी पर आसीन हुए। केवल बीस वर्ष ही शासन किया और बयालीस विकराल, विकट और विषम युद्धों में अविजित, अपराजेय रहे। बाजीराव पेशवा, कर्तव्य के इतने दृढ़ कि, भोजन करते हुए भी यह कहते हुए सहजता से भोजन की थाली छोड़कर उठ जाते हैं -

(लेखक - डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी)

अखंड भारत दिवस 14 अगस्त एवं पेशवा बाजीराव जयंती)

चौदह अगस्त, 1947 अखंड भारत दिवस और अट्ठारह अगस्त वर्ष 1700, पेशवा बाजीराव प्रथम का जन्मदिवस; ये दोनों प्रसंग एक दूजे से गहनता से जुड़े हुए हैं। अखंड भारत दिवस को हम विभाजन विभीषिका दिवस के नाम से भी जानते हैं।

अखंड भारत के अर्थात् वह प्राचीन भारत जिसमें वर्तमान अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और तिब्बत सम्मिलित थे।पेशवा बाजीराव बल्लाल इस अखंड भारत हेतु दृढ़प्रतिज्ञ थे। इस प्रतिज्ञा की पूर्ति हेतु ही उन्होंने अपना जीवन पुष्प भारत माँ के चरणों में अर्पित कर दिया था। इसके भी पूर्व मध्यावर्त, आर्यावर्त भी एक भौगोलिक इकाई रही जिसे भारतवर्ष भी कहा जाता था। वस्तुतः हमारा मूल भारत तो वही है जिसमें ईरान, इराक, थाईलैंड, इंडोनेशिया, बर्मा आदि भी सम्मिलित थे।

पेशवा बाजीराव वस्तुतः इस अखंड भारत की अवधारणा के ही सशक्त वाहक थे जिसके शास्त्रों में लिए कहा गया है –

उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम् ।
वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः ।।

अर्थात् समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में जो देश है उसे भारत कहते हैं तथा उसकी संतानों (नागरिकों) को भारती कहते हैं। यह सूक्त कोई नया या काल्पनिक नहीं अपितु अष्टादश (अट्ठारह) पुराण में से एक विष्णु पुराण में लिखित है। विष्णु पुराण ऋषि पाराशर द्वारा रचा गया था।

चौदह अगस्त की तिथि को विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाते हैं। इसी दिन हमारा राष्ट्र अपने सातवें विभाजन के दंश को झेल रहा था। इसके पूर्व वर्ष हम केवल सौ वर्षों के इतिहास को देखें तो हमें दिखता है कि भारतवर्ष के सात विभाजन तो 1857 से लेकर 1947 तक के एक छोटे से कालखंड में ही कर दिए गए थे। ये विभाजन कुछ और नहीं बल्कि इंग्लैंड के उस सांस्कृतिक भय की देन थे जिसमें उन्हें दिखता था कि यदि भारत इस रूप में ही अखंड रहा तो उनका देश व अन्य पश्चिमी ईसाई देश कभी भी ईसाइयत को एक महान धर्म व संस्कृति के रूप में स्थापित नहीं कर पायेंगे। वस्तुतः विस्तारवाद, अन्य देशों की संपत्ति को लूटना और उन देशों को निर्धन बनाकर धर्मांतरित कर लेना ही इन देशों का और उनके रिलीजन का लक्ष्य रहा है। अखंड भारत को हम इजराइल और यहूदियों के संदर्भ में भी स्मरण कर सकते हैं। यहूदियों का दुनिया में कोई अपना स्थान नहीं था, और 2500 वर्षों से जब भी एक यहूदी दूसरे यहूदी से, कहीं भी, किसी भी स्थिति में, मिलते थे, तो वे परस्पर चर्चा में अगले वर्ष यरूशलेम में मिलने की इच्छा व्यक्त करते थे। ढ़ाई हज़ार वर्षों तक यहूदी इसी प्रकार अपने यरुशलम में मिलने की इच्छा को पीढ़ी दर पीढ़ी व्यक्त करते रहे, अपने संकल्प को जीते रहे और अंततः एक दिन इन्होंने अपना यरुशलम प्राप्त कर ही लिया! इसी प्रकार हम भारतीयों को भी अखंड भारत के स्वप्न को अपने अंतःकरण में, मानस में, लेखन में, भाषण में, रणनीति में, स्वप्न में जीवित रखना चाहिए। हमें अंततोगत्वा अखंड भारत मिलेगा ही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखंड भारत की अवधारणा कोई विस्तारवाद की या भौगोलिक अवधारणा नहीं है। यह अवधारणा, वस्तुतः एक भू-सांस्कृतिक अवधारणा है। हम भारतीयों को समय-समय पर इस भू-सांस्कृतिक 'अखंड भारत' की अवधारणा को अपनी कल्पना-योजना में विकसित करते रहना चाहिए।

पेशवा बाजीराव मात्र बीस वर्ष की आयु में पेशवाई गद्दी पर आसीन हुए। केवल बीस वर्ष ही शासन किया और बयालीस विकराल, विकट और विषम युद्धों में अविजित, अपराजेय रहे। बाजीराव पेशवा, कर्तव्य के इतने दृढ़ कि, भोजन करते हुए भी यह कहते हुए सहजता से भोजन की थाली छोड़कर उठ जाते हैं –

अगर मुझे पहुँचने में देर हो गई तो इतिहास लिखेगा कि एक राजपूत ने मदद मांगी और ब्राह्मण भोजन करता रहा।卐 इतिहास में यह भी अमिट है कि बाजीराव पेशवा ने दिल्ली पर आक्रमण करने हेतु दस दिन की दूरी पांच सौ अश्वों के बेड़े के साथ दो दिन में पूर्ण की थी। सामरिक या युद्ध साहित्य/इतिहास में यह अब तक का सबसे तेज जमींनी आक्रमण माना जाता है। इस आक्रमण से

किशोरवय बाजीराव ने दिल्ली में आज के तालकटोरा स्टेडियम के स्थान पर डेरा डालकर मुगलों की घेराबंदी कर दी थी। 'तेज गति से आक्रमण करो और दुश्मन को संभलने का मौका मत दो' – यह वीर बाजीराव की युद्ध नीति थी। इस युद्धनीति के बल पर ही उन्होंने मराठा शासन को दिल्ली तक विस्तारित कर दिया था।

बाजीराव पेशवा विश्व के उन तीन ऐतिहासिक सेनापतियों में गिने जाते हैं जिन्होंने कभी पराजय का मुँह नहीं देखा। नेपोलियन बोनापार्ट व जूलियस सीजर दो अन्य अविजित योद्धा हैं। बाजीराव की युद्धनीति इतनी प्रखर, प्रचंड व अभेद्य रहती थी की अमेरिका भी इसे आदर्श युद्ध नीति मानता है। अमेरिका सहित कई देशों में सैनिकों को आज भी पेशवा बाजीराव द्वारा पालखेड में उपयोग की गई युद्ध नीति सिखाई जाती है।

विश्वप्रसिद्ध पालखेड युद्ध में पेशवा ने निजाम के दाँत खट्टे कर दिए थे और उसे 'मुंगी शिवगांव' संधि के लिए घुटने के बल होना पड़ा था। इस युद्ध के बाद बाजीराव ने निजाम पर कई शर्तें लाद थी थीं। इसके पश्चात् वीर बाजीराव ने 1731 में निजाम को पुनः पराजित किया और इसके बाद तो जैसे समूचा उत्तर भारत, पेशवा के अधीन हो गया था।

द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटेन की ओर से जर्मन को पराजित करने वाले प्रसिद्ध व कुशल सेनापति विसकाउंट मोंटगोमरी पेशवा बाजीराव के प्रशंसक व युद्धनीति में बाजीराव के अनुगामी थे। मोंटगोमरी ने अपनी पुस्तक 'ए कन्साइस हिस्टरी ऑफ वॉरफेयर' में लिखा है – **"The Palkhed Campaign of 1728 in which Baji Rao I out-generalled Nizam-ul-Mulk , is a masterpiece of strategic mobility."**

छत्रपति शिवाजी की कुल परंपरा का यह दिग्गज योद्धा

अटक से कटक तक और कन्याकुमारी से हिमालय तक हिन्दवी स्वराज की स्थापना में सफल रहा था। बाजीराव ने भारत का लगभग अस्सी प्रतिशत भूभाग हिन्दवी साम्राज्य

का हिस्सा बना दिया था।

28 अप्रैल सन् 1740 को उस पराक्रमी अपराजेय योद्धा ने मध्यप्रदेश के रावेरखेड़ी में, नर्मदा तट पर अस्वस्थता के कारण प्राणोत्सर्ग किया था।

बाजीराव पेशवा का वर्ष 1731 का मालवा अभियान इतिहास में स्वर्णाक्षर से दर्ज है।1737 के बुंदेलखंड अभियान में राजा छत्रसाल की रक्षा की जिसके कारण छत्रसाल ने उन्हें झाँसी, कालपी, सागर जैसे क्षेत्र दे दिए थे। बाजीराव का 1737 का दिल्ली अभियान तो उनकी वीरता, युद्ध नीति, संगठन क्षमता व संकल्पशीलता का अद्भुत उदाहरण है। इस युद्ध में बाजीराव सुदूर महाराष्ट्र से चलकर मार्ग भर में विजयी सैन्य अभियान चलाते हुए, मुगल स्वामित्व वाली दिल्ली में प्रवेश कर गए थे।

इसी प्रकार 1738 के भोपाल युद्ध में भी वीर बाजीराव ने मुगलों और निजाम की संयुक्त सेना को धूल चटाई थी। इस युद्ध के बाद मुगलों को मराठों की अधीनता स्वीकार करनी पड़ी थी।

बाजीराव पेशवा ने अखंड भारत, हिन्दवी स्वराज हेतु केवल सैन्य अभियान ही नहीं चलाये बल्कि अनेकों राज्यों से मित्रता, संधि, परस्पर निर्भरता के नए आयाम भी स्थापित किए जिससे मराठों व राजपूतों में अद्भुत समन्वय स्थापित हो गया था।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

आवारा कुत्तों का संकट

यूं तो देश में आवारा कुत्तों के संकट को लेकर गाहे-बगाहे सवाल उठते रहे हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली के आवारा कुत्तों को लेकर आए सख्त निर्देश ने इस बहस को नया मोड़ दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार व स्थानीय निकायों से कहा है कि सभी आवारा कुत्तों को आठ सप्ताह के भीतर आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया जाए। हालांकि, समस्या की व्यावहारिक दिक्कतों को लेकर कई यक्ष प्रश्न हैं क्योंकि फिलहाल कुत्तों के लिये ऐसे आश्रय स्थल उपलब्ध नहीं हैं। निस्संदेह, जन सुरक्षा की चिंताएं अपनी जगह जायज हैं। बताते हैं कि दिल्ली में रोजाना 2000 तक कुत्ते के काटने की घटनाएं होती हैं। साथ ही रेबीज़ के मामले भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इस बड़ी समस्या का समाधान सिर्फ प्रतिक्रियात्मक नहीं होना चाहिए। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल देशभर में कुत्तों के द्वारा काटने के बाइस लाख मामले सामने आए हैं। निस्संदेह, यह एक जटिल चुनौती है और इसके समाधान के लिये एक दीर्घकालिक, तार्किक व परामर्शी रणनीति की आवश्यकता है। इस अभियान में नगर निकाय, पशु चिकित्सक, पशु कल्याण से जुड़े संगठनों और स्थानीय लोगों की भागीदारी जरूरी है। निर्विवाद रूप से इस संकट के मूल में असली समस्या खराब शहरी नियोजन,पशु जन्म नियंत्रण यानी एबीसी तथा टीकाकरण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से जुड़ी खामियों की है। देश के शहरों, कस्बों और गांवों के कूड़े के ढेर खुले बूचड़खानों के कचरे से भरे रहते हैं। जहां आवारा कुत्तों की आबादी फल-फूल रही है। नगर निकायों द्वारा वर्षों से चलाए जा रहे नसबंदी अभियान और रेबीज़-रोधी टीकाकरण अभियान इन आवारा कुत्तों की संख्या को कम करने में विफल रहे हैं। निर्विवाद रूप से इस मद के लिये पर्याप्त बजट न होना और कर्मचारियों की कमी इन प्रयासों में बाधा डालती रही है। इस बीच सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर आए दिन टकराव देखा जाता रहा है। दरअसल, देश में पशु प्रेमियों की भी एक बड़ी आबादी है। भारत में पशु-पक्षियों के कल्याण व संरक्षण की समृद्ध परंपरा रही है। गाय व श्वान का ग्रास देना संस्कृति का हिस्सा रहा है। सोमवार को दिल्ली में आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में भेजने के खिलाफ कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया तो कुछ लोग हाथ में कई तख्तियां लिए हुए थे, जिसमें लिखा था कि काल भैरव सब देख रहे हैं। दरअसल, हिंदू मान्यताओं के अनुसार जीव संरक्षण के लिये हर देवी-देवता के साथ वन्य जीव, पशु-पक्षियों को दर्शाया गया है। यहां तक कि श्राद्ध के अवसर पर गाय, कौवे व कुत्ते के लिये अन्न ग्रास निकाला जाता है। सदियों से मनुष्य के अंग-संग कुत्ता रहा है। कहा जाता है कि पांडवों के स्वर्गारोहण के वक्त उनके साथ एक श्वान चला था। लेकिन आज शहरों में फ्लैट संस्कृति में पालतू जानवरों की भूमिका खत्म होने से वे सड़कों पर आ गए। यहां सवाल उनके आक्रामक होने पर भी हैं। दरअसल, आम लोग मांसाहारी भोजन के अवशेष कचरे में फेंक देते हैं, जिससे उनमें आक्रामकता आती है। वहीं जानवरों में असुरक्षाबोध भी उन्हें आक्रामक बना देता है। दुनिया के तमाम छोटे-बड़े देशों ने इस समस्या के निवारण हेतु समाधान निकाले हैं। भारत जैसे विशाल देश में संसाधनों के अभाव में पशु कल्याण की प्राथमिकता व्यावहारिक नहीं है। विदेशों में पालतू कुत्तों को पालना भी बहुत महंगा है और सख्त कानूनों से संख्या का नियमन भी किया गया। वहां कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण के लिये पुलिस बल तैनात किए गए हैं।

अखंड भारत के मायने विश्व गुरु

(लेखक - सुरेश हिन्दुस्थानी)

अखंड भारत स्मृति दिवस पर विशेष...)

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोड़ने की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस काल खंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं। भारत के मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आम जन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है।

विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगद्गुरू के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है। भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन भारत की भूमि के टुकड़े करके ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारत कालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका अस्तित्व में आया। इसी प्रकार पाकिस्तान के साथ अलग हुए बांगलादेश 1971 में एक अलग देश के रूप में स्थापित हुआ। जरा विचार कीजिए ये सभी देश आज भारत का हिस्सा होते तो भारत की शक्ति कितनी होती? आज कोई अखंड भारत की बात करता है तो कई लोग इसे असंभव कहने में संकोच नहीं करते। यहां पहली बात तो यह है कि हम किसी देश को छीनने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने देश के विभाजित भाग को भारत में मिलाने की ही बात कर रहे हैं। कभी भारत के हिस्से रहे देश को भारत में मिलाने की बात करना असंभव नहीं माना जा सकता। आज धीरे ही सही, लेकिन भारत उस दिशा की ओर प्रवृत हुआ है। जबकि जो देश भारत से अलग हुए हैं, उनमें से अधिकांश देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। श्रीलंका की स्थिति सबके सामने आ चुकी है। पाकिस्तान भी उसी राह पर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बांगलादेश में भुखमरी के हालात हैं। अफगानिस्तान खौफ के वातावरण में जी रहा है। सवाल यह उठता है कि इन देशों को भारत से अलग होने के बाद क्या मिला? कुछ नहीं। वर्तमान में भारत में राष्ट्रीय एकता का भाव भी है तो भारत की संस्कृति का प्रवाह भी। भारतीय संस्कृति सबको जोड़ने का प्रयास करती है, जबकि अन्य संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव नहीं है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारतीय संस्कृति के माध्यम से पूरे विश्व को एक ऐसी दिशा का बोध कराया जा सकता है, जहां शांति भी है और प्रगति के रास्ते भी हैं। अब इस दिशा में और अधिक तेजी से कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए अब समय अनुकूल है। इसलिए सभी भारतीय नागरिक इस दिशा में आगे आकर उस प्रवाह में शामिल होने का प्रयास करें, जो भारत को अखंड बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अखंड भारत की संकल्पना जहां भारत को ठोस आधार प्रदान करने में सहायक होगा, वहीं यही आधार भारत को पुनः विश्व गुरू के सिंहासन पर आसीन करेगा, यह तय है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

चिंतन मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकर्षण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

विचार मंथन

भारत को युद्ध के लिए उकसा रहा है पाकिस्तान?

(लेखक - सनत जैन)

पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर ने एक बार फिर अमेरिका की धरती से भारत को परमाणु युद्ध की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है इस्लामाबाद को भारत से अस्तित्व का खतरा महसूस हुआ तो वे ऐसी स्थिति में आधी दुनिया को अपने साथ ले डूबेगा। यह अपने तरह का पहला मामला है। अमेरिका जाकर पाकिस्तान के जनरल आसिफ मुनीर भारत को इस तरह की धमकी दे रहे हैं। मुनीर ने अमेरिका में कहा कि हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं। उन्होंने सिंधु नदी को लेकर भी भारत के ऊपर निशाना साधा। उन्होंने सीधे-सीधे यह धमकी दी, भारत के बांध बनाने का पा किस्तान इंतजार करेंगा, यदि भारत बांध बनता है, तो पा किस्तान की 10 मिसाइलें उसे नष्ट कर देंगी, उनके पास मिसाइल की कोई कमी नहीं है। असीम मुनीर ने भारत की तुलना हाईवे पर दौड़ती हुई मर्सिडीज़ कार और पाकिस्तान को कंकर पत्थरों से भरे डंपर ट्रक से करते हुए कहा, अगर ट्रक कार से टकराता है, तो कार को ही नुकसान होता है, ट्रक को कोई नुकसान होने वाला नहीं है। उन्होंने भारत के बारे में कहा, भारत खुद को एक विश्व गुरु के रूप में पेश करता है, जो किसी भी रूप में संभव नहीं है। मुनीर ने अमेरिका के राजनेताओं के साथ-साथ सैन्य अधिकारियों से बातचीत की। पाकिस्तान के प्रवासियों से उन्होंने चर्चा की। जनरल मुनीर का अमेरिका का यह दूसरा दौरा है। दूसरे दौरे में अमेरिका ने बलूचिस्तान की विद्रोहियों को आतंकी संगठन घोषित करा दिया है। जो यह बताता है, अमेरिका के रिश्ते पाकिस्तान के साथ भारत की तुलना में बहुत बेहतर हैं। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को लगातार सहायता दी जा रही है। अमेरिका से तेल समझौते के अलावा और कई अनुबंध अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ किए हैं। जो आगे चलकर भारत के लिए चुनौती के रूप में सामने होंगे। भारत ने जब सीज फायर की घोषणा की थी, उस समय कहा था पाकिस्तान सीजफायर के लिए गिडगिड़ा रहा था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में जो नुकसान पहुंचाया उससे घबराकर पाकिस्तान ने भारत के सामने जब आत्मसमर्पण किया, तभी हमने सीज फायर का प्रस्ताव स्वीकार किया। जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रेड डील को लेकर टैरिफ लगाकर भारत को धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। इस तरह से पाकिस्तान भी सीज फायर के बाद से लगातार भारत को धमका रहा है। भारत सरकार की चुप्पी से समझ में नहीं आ रहा है, भारत सरकार उन्हीं की भाषा में जवाब क्यों नहीं दे रही हैफ अमेरिका को लेकर यह चुप्पी फिर भी समझी जा सकती है। लेकिन पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर रोजाना भारत को धमकियां दे रहे हैं। इस पर भारत सरकार चुप क्यों है। लोग तो यह भी कहने लगे हैं कि पाकिस्तान जानबूझकर धमकी दे रहा है।

ताकि एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हो। इसमें कहीं ना कहीं अमेरिका भी पाकिस्तान की पीठ पर हाथ रख रहा है। इससे यही समझ आता है, भारत सरकार चुप रहने के लिए विवश है। भारत सरकार को पाकिस्तान और अमे रिका से मिल रही धमकियों का जवाब देना चाहिए। ट्रंप यदि

अपनी सीमा रेखा लाँघ रहे हैं तो भारत का वह सम्मान नहीं कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें भी मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए।

मोदी सरकार की यदि चुप्पी बनी रहती है तो यह भारत और सरकार दोनों के लिए खराब है। मोदी सरकार कुछ छिपाने के चक्कर में अपने ही मकड़जाल में फंसती जा रही है। जो पा किस्तान सीज फायर के लिये गिड़ गिड़ा रहा था, वही पा किस्तान अब आंखे क्यों दिखा रहा है। भारत सरकार और सेना को वर्तमान स्थि ति में सतर्क रहने की जरुरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्यूपिड लिमिटेड का 2026 की पहली तिमाही में राजस्व 47 प्रतिशत और शुद्ध लाभ 82 प्रतिशत उछला

मुंबई, एजेंसी। क्यूपिड लिमिटेड (क्यूपिड, दी कंपनी), भारत की प्रमुख व्यक्तिगत उत्पाद निर्माता और ब्रांड, ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। क्यूपिड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री आदित्य कुमार हलवासिया, ने कहा, हम वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत मजबूत रूप से करते हुए, राजस्व और लाभप्रदता दोनों में स्वस्थ वृद्धि हासिल करने पर प्रसन्न हैं। यह मजबूत प्रदर्शन हमारे इस विश्वास को और मजबूत करता है कि वित्त वर्ष 2026, क्यूपिड लिमिटेड के इतिहास का अब तक का सबसे मजबूत वर्ष होगा। यह हमारी केंद्रित रणनीति, संचालन में अनुशासन और पूरी क्यूपिड टीम की अटूट प्रतिबद्धता की ताकत को दर्शाता है। मजबूत ऑर्डर बुक के साथ, हम अपने लक्षित टर्नओवर को हासिल करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। रुपये-डॉलर विनिमय दर से मिलने वाले अनुकूल लाभ हमारी गति को और बढ़ावा देंगे, खासतौर पर जब इस वित्त वर्ष में निर्यात हमारे व्यवसाय का एक बड़ा हिस्सा होने का अनुमान है। उत्साहजनक रूप से, हमारा बी2सी सेगमेंट भी खासकर त्योहारी सीजन के दौरान तेजी पकड़ रहा है और हमें विश्वास है कि हम केवल इस सेगमेंट में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेंगे। हमारा बी2सी एफएमसीजी व्यवसाय पूरे भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाते हुए तेज़ गति से बढ़ रहा है, जिससे ब्रांड की दृश्यता और उपभोक्ताओं का विश्वास और मजबूत हो रहा है। ग्राहकों से मिल रही मजबूत प्रतिक्रिया इस सेगमेंट की दीर्घकालिक वृद्धि क्षमता में हमारे विश्वास को और पुख्ता करती है। साथ ही, हम अपने मुख्य बी2सी निर्यात व्यवसाय के प्रति भी पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, जो एक बार फिर गति पकड़ रहा है।

वीफिन प्रमोटर्स ने किया 8.43 करोड़ का निवेश

शेयर वारंट्स का पूर्ण रूपांतरण कर वैश्विक विस्तार

मुंबई, एजेंसी। वीफिन सॉल्यूशंस लिमिटेड एक प्रमुख तकनीकी समर्थक जो विश्व की सबसे बड़ी कार्यशील पूंजी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है, ने आज अपने प्रमोटरों को जारी किए गए शेयर वॉरंट्स के लिए अंतिम सब्सक्रिप्शन राशि की सफल प्राप्ति की घोषणा की। यह 4,20,000 कन्वर्टिबल वॉरंट्स को इक्विटी शेयरों में परिवर्तित करके ?8.43 करोड़ की पूंजी प्रविष्टि के पूर्ण होने का संकेत है। मार्च 2024 में मूल रूप से आवंटित किए गए ये वॉरंट्स प्रमोटरों श्री राजा देबनाथ और श्री गौतम उदानी द्वारा सब्सक्राइब किए गए थे। स्वच्छ के नियमों के अनुसार, आवंटन के समय इश्यू मूल्य का 25 प्रतिशत भुगतान किया गया था, जबकि शेष 75 प्रतिशत अब पूरी तरह प्राप्त हो चुका है। इस विकास से प्रमोटरों के वीफिन की दीर्घकालिक रणनीति में निरंतर विश्वास की पुष्टि होती है और कंपनी की पूंजी स्थिति को और मजबूत करते हुए इसके अगले विकास चरण को आगे बढ़ाने में सहायता मिलती है। इस पूंजी प्रविष्टि से वीफिन की वित्तीय लचीलापन बढ़ता है, जिससे प्लेटफॉर्म नवाचार, अंतरराष्ट्रीय बाजार विस्तार और चल रही रणनीतिक एकीकरण में तेज निवेश करना संभव होता है। एपीआई-फर्स्ट उत्पाद सूट और बढ़ते वैश्विक ग्राहक आधार के साथ, वीफिन कार्यशील पूंजी वित्त इकोसिस्टम में उच्च प्रभावी, मॉड्यूलर समाधान प्रदान करते हुए स्थायी रूप से विस्तार करने के लिए अच्छी स्थिति में है। यह पूंजी प्रविष्टि वीफिन की हाल ही में की गई घोषणा के बाद हुई है, जिसमें उसने अपनी सहायक कंपनियाँ—एस्टोरीफाई और ग्लोबटीएफ—को मूल कंपनी के तहत एकीकृत करने का निर्णय लिया है। इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य कंपनी की सेवाओं को सप्लाई चेन फाइनेंस, डिजिटल लेंडिंग, एम्बेडेड फाइनेंस, ट्रेड फाइनेंस और कैश मैनेजमेंट के क्षेत्र में एकसाथ लाना है।

एचडीएफसी बैंक व विनफास्ट ऑटो इंडिया ने इलेक्ट्रिक वाहनों के

ऑटो व इन्वेंटरी फाइनेंसिंग के लिए समझौता किया

- वियतनामी कंपनी की भारतीय सब्सिडियरी के साथ समझौता करने वाला पहला भारतीय बैंक बना

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक और विनफास्ट ऑटो इंडिया ने ग्राहकों और डीलरों के लिए ऑटो और इन्वेंटरी फाइनेंसिंग प्रदान करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विनफास्ट ऑटो इंडिया, वियतनाम की सबसे बड़ी निजी समूह विनग्रुप की वैश्विक ईवी कंपनी विनफास्ट की भारतीय सहायक कंपनी है। यह समझौता भारत में विनफास्ट के लॉन्च से पहले कंपनी द्वारा किसी बैंक के साथ किया गया पहला गठजोड़ है। इस सहयोग का उद्देश्य ग्राहकों और डीलरों के लिए समग्र वित्तीय समाधान प्रदान करना है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद प्रक्रिया अधिक सुगम और सुविधाजनक बन सके। इस समझौते के तहत ग्राहकों को विशेष और अनुकूलित फाइनेंसिंग विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक भारतीय उपभोक्ता ईवी अपनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे। विनफास्ट, एचडीएफसी बैंक के देशभर में फैले ब्रांच नेटवर्क और डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर शहरी और उभरते बाजारों तक अपनी पहुंच बना सकेगा। यह साझेदारी भारत में टिकाऊ परिवहन के तेजी से बढ़ते बाजार को और बल देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विनफास्ट के आगामी वीएफ-6 और वीएफ-7 मॉडलों के लॉन्च की तैयारी के साथ इस समझौते के अंतर्गत मिलने वाले विशेष लाभ कंपनी की संपूर्ण वाहन श्रृंखला पर लागू होंगे।

फतेहपुर टोंगरा रोड शिवपुरी हादसे पर थिंक गैस ने दी सफाई, साइट से दूर स्थित पाइपलाइन

शिवपुरी, एजेंसी। फतेहपुर क्षेत्र में टोंगरा रोड पर एक ऑनलाइन कंप्यूटर की दुकान के पास गैस जैसी गंध और आग बुझाने के बारे में मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित कुछ रिपोर्टों के प्रकाश मेंए थिंक गैस निम्नलिखित स्पष्टीकरण देना चाहता है। कंपनी के मुताबिकए उसकी इमरजेंसी रिस्पांस टीम को बिजली के खंभे के पास ड्रेनेज एरिया से धुआं निकलने की सूचना मिली थी। निरीक्षण करने परए यह पुष्टि की गई कि जिस स्थान पर गैस की गंध और आग लगने की सूचना मिली थीए वहां थिंक गैस के स्वामित्व या प्रचालित कोई गैसीकृत पाइपलाइन या संबंधित अवसंरचना नहीं है। क्षेत्र में कंपनी की गैस पाइपलाइन विचाराधीन साइट से काफी दूरी पर स्थित है।

जापानी ईवी निर्माता टेरा मोटर्स ने एमपी में की एंट्री

ऑन-रोड कीमत रुपये 3.74 लाख

रीवा। जापान की इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनी टेरा मोटर्स ने मध्य प्रदेश में अपने पहले एल5 हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक ऑटो की डीलरशिप के साथ प्रवेश किया है। यह कदम कंपनी की रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह राज्य में बढ़ती ईवी स्वीकार्यता का लाभ उठाकर भारत के टॉप 5 थ्री-व्हीलर बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। टेरा मोटर्स पिछले एक दशक से भारत के इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर ई-रिक्शा क्षेत्र में सक्रिय है। कंपनी को मध्य प्रदेश में अच्छे व्यापारिक अवसर दिख रहे हैं, खासकर मजबूत डीलर इंटरेस्ट और प्रतिस्पर्धी प्रोडक्ट ऑफरिंग्स के कारण। हाल ही के महीनों में, कई प्रमुख ईवी डीलर्स ने अन्य ओईएम कंपनियों को छोड़कर टेरा मोटर्स से जुड़ने का निर्णय लिया है। इसके पीछे कंपनी की किफायती कीमतें, जापानी ब्रांड पर विश्वास और सशक्त सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर मुख्य कारण रहे हैं।इंदौर में नियुक्त किया गया नया डीलर - जो पहले एक अग्रणी ओईएम का टॉप-सेलिंग पार्टनर था - उसने टेरा से जुड़ने का निर्णय लिया, क्योंकि कंपनी किफायती कीमतों, टेरा फाइनेंस के ज़रिए इन-हाउस फाइनेंसिंग, और जापानी ब्रांड पर विश्वास जैसी सुविधाएं दे रही है। टेरा मोटर्स पहले ही उत्तर प्रदेश में कई प्रमुख थ्री-व्हीलर डीलर्स के साथ साझेदारी कर चुकी है और मध्य प्रदेश में भी इसी रणनीति को अपनाने की योजना बना रही है। ऑन-रोड कीमत रुपये 3.74 लाख से शुरू होकर और एक बार चार्ज करने पर 200 किलोमीटर तक की रेंज के साथ, कंपनी का लक्ष्य है कि हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को चालकों और डीलरों दोनों के लिए सुलभ और लाभदायक बनाया जाए। मध्य प्रदेश हमारे लिए एक प्रमुख बाजार है, टेरा मोटर्स के प्रवक्ता ने कहा।

एसएलएटी 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

भावी लॉ प्रोफेशनल्स के लिए सुनहरा मौका

नई दिल्ली। सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह एग्जाम उन स्टूडेंट्स के लिए है जो लॉ एजुकेशन में भविष्य बनाना चाहते हैं। एसएलएटी एग्जाम की तारीख 20 दिसंबर 2025 (शनिवार) और 28 दिसंबर 2025 (रविवार) तय की गई हैं। एसएलएटी एग्जाम का आयोजन सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) द्वारा किया जाता है। यह एग्जाम पुणे, नोएडा, हैदराबाद और नागपुर में स्थित सिम्बायोसिस लॉ स्कूलों में अंडरग्रेजुएट लॉ कोर्सेस में एडिमशन के लिए ज़रूरी है। एसएलएटी 2026 एग्जाम देश भर के 68 शहरों में आयोजित किया जाएगा और इसे लॉ एजुकेशन के लिए स्टूडेंट्स की योग्यता का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये एग्जाम कंप्यूटर-आधारित टेस्ट होता है, जिसमें 60 मिनट में कुल 60 प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। यह परीक्षा हर साल केवल दिसंबर महीने में आयोजित की जाती है। इसमें लॉजिकल रीजनिंग, लीगल रीजनिंग, एनालिटिकल रीजनिंग, रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन, और जनरल नॉलेज जैसे विषयों में हर एक से कुल 12 प्रश्न पूछे जाते हैं।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने एंथे के 16 शानदार वर्षों का जश्न मनाते हुए एंथे 2025 लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। छात्रों के सपनों को कामयाबी में बदलते हुए 16 सफल साल पूरे करने पर, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड जो टेस्ट प्रिपरेशन में देश की अग्रणी संस्था है ने अपने प्रमुख इनिशिएटिव एंथे 2025 की शुरुआत का ऐलान किया है। भारत के एकेडमिक कैलेंडर में हर साल का सबसे बहुप्रतीक्षित इवेंट माने जाने वाले एंथे 2025 का मकसद, कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्रों को चुनौतियों से लड़ने और असली प्रॉब्लम सॉल्वर बनने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाना है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभी तक पहुँचाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए, एंथे 2025 में स्टूडेंट्स को 250 करोड़ तक की स्कॉलरशिप दी जा रही है, जो क्लासरूम, आकाश डिजिटल और इन्विक्टस कोर्सेस पर लागू होगी।

रेमेडियम लाइफकेयर ने 6 की पहली तिमाही में कमाया 464.88 लाख का मुनाफा

5 के वार्षिक लाभ से दोगुना, एक्सपान्शन प्लान्स को मिली रफ्तार

मुंबई, एजेंसी। फार्मास्यूटिकल सप्लाई चेन और स्पेशलिटी केमिकल्स सेक्टर में तेजी से उभरता हुई कंपनी रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड, ने 30 जून 2025 को पूरी हुई तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं, जिसमें कंपनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनाफे में जबरदस्त सुधार दर्शाया है।

कंपनी ने क्ता6 में 464.88 लाख का प्रोफिट आफ्टर टेक्सेशन दर्ज किया, जबकि पिछली तिमाही क्ता5 में कंपनी को 204.60 लाख का घाटा हुआ था। खास बात यह भी है कि सिर्फ पहली तिमाही का मुनाफा ही पूरे 5 के कुल मुनाफे 212.94 लाख से दोगुना है जो कंपनी का मजबूत ओपरेशनल मोमेन्टम और प्रोफिट में बड़े सुधार को दर्शाता है।

इस तिमाही के दौरान रेमेडियम लाइफकेयर का ओपरेशन्स से राजस्व 11,336.67 लाख रहा, जबकि प्रोफिट बिफोर टेक्स 571.23 लाख तक पहुंच गया। यह उपलब्धि कोस्ट मेनेजमेन्ट और ओपरेशनल एफिशियेन्सी पर कंपनी के द्वारा किये गए फोकस को दर्शाता है। कंपनी ने अपनी रणनीति के द्वारा आने वाले समय के लिए सतत विकास की नींव रख दी है।

इस पर्फोमन्स के बारे में कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आदर्श मुन्जाल ने कहा, यह तिमाही हमारे लिए एक महत्वपूर्ण माईलस्टोन है। ओपरेशनल एफिशियेन्सी और विवेकपूर्ण फायनान्शियल मेनेजमेन्ट पर हमारे फोकस ने हमें मजबूत टर्नअराउंड दिया है।

हमारा क्ता का मुनाफा पूरे 5 के लाभ से बढ़कर है। हम इस मोमेन्टम को बरकरार रखते हुए अपने शेयरधारकों को सतत मूल्य प्रदान करने और हेल्थकेयर व फार्मास्यूटिकल सेक्टर में ग्रोथ को अधिक से अधिक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टैफे का मैसी डाइनास्टार कॉन्टेस्ट सीज़न 2

विजेता को मिला बिल्कुल नया मैसी फर्ग्यूसन 254 डाइनास्मार्ट 2 डब्ल्यूडी ट्रैक्टर

चेन्नई, एजेंसी। टैफे- ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड, जो दुनिया के सबसे बड़े ट्रैक्टर निर्माताओं में से एक है और भारत में मशहूर मैसी फर्ग्यूसन ट्रैक्टर्स का निर्माता है, ने अपने मैसी डाइनास्टार कॉन्टेस्ट - सीज़न 2, 2025 सबसेबड़ेऑलराउंडर की तलाश का सफल समापन किया। टैफे की यह अग्रणी पहल बहुमुखी मैसी फर्ग्यूसन डाइनाट्रैक 241 ट्रैक्टर की क्षमता से संचालित मौलिक, विस्तार योग्य और सामाजिक रूप से प्रभावशाली विचारों को खोजने और सम्मानित करने का उद्देश्य रखती है।

सीज़न 2 में हुई प्रतियोगिता को लोगों ने बहुत पसंद किया। इसमें 26 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों से 16,000 से भी ज़्यादा एंट्री प्राप्त हुई, जिससे पता चलता है कि हमारे देश में खेती-बाड़ी में कितनी विविधता है। इन सब में से 12 फाइनलिस्ट चुने गए, जो 7 राज्यों - असम, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश - से थे। इस प्रतियोगिता में किसानों, गाँव के उद्यमियों और कृषि-छात्रों ने हिस्सा लिया, जिससे ज़मीनी स्तर पर नवाचार की एक बहुत ही जीवंत संस्कृति देखने को मिली।

हाल ही में हुए ग्रैंड फिनाले में एक प्रतिष्ठित ग्रैंड जूरी थी, जिसमें सेल्स एंड मार्केटिंग, ऑपरेशंस, और प्रोडक्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों के अनुभवी लोग शामिल थे। फाइनलिस्ट का मूल्यांकन नवाचार, व्यावहारिकता, विस्तार की संभावनाओं, आय उत्पन्न करने की क्षमता और सामाजिक प्रभाव के आधार पर किया गया।

शालीमार एजेंसिज़ लिमिटेड ने नाम बदलकर स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स लिमिटेड किया

मुंबई, एजेंसी। स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स लिमिटेड जिसे पहले शालीमार एजेंसिज़ लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, ने 11 अगस्त 2025 से अपना नाम आधिकारिक रूप से बदल लिया है। कंपनी का बोर्ड 14 अगस्त 2025 को बैठक करेगा, जिसमें 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों पर विचार एवं अनुमोदन किया जाएगा। स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स लिमिटेड ने 11 अगस्त 2025 को अपना नया नाम औपचारिक रूप से अपनाया। स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स , जिसकी स्थापना 2019 में भारत में हुई, एक तेज़ी से विकसित हो रही फूड और टेक कंपनी है, जिसके संचालन भारत, अमेरिका और कनाडा में हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक और ज्योति सीएनसी ने एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए की साझेदारी

पेश किए विशेष रूप से तैयार उपकरण फाइनेंसिंग समाधान

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड ने भारत की अग्रणी सीएनसी मशीन निर्माता कंपनी ज्योति सीएनसी के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इस सहयोग के तहत, मशीन टूल सेक्टर से जुड़े छोटे और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए उपकरण फाइनेंसिंग समाधान उपलब्ध कराए जाएंगे। ये सुविधाएं स्टैंडअलोन आधार पर दी जाएंगी, जिससे कारोबारियों को सीधे लाभ मिलेगा। इस साझेदारी का उद्देश्य उन्नत सीएनसी मशीनरी में निवेश करने वाले व्यवसायों के लिए पूंजी तक पहुंच को सरल और तेज़ बनाना है। इस व्यवस्था के तहत, कोटक महिंद्रा बैंक डिजिटल माध्यम से 3 करोड़ रुपये तक के उपकरण ऋण प्रदान करेगा, जिससे फाइनेंसिंग प्रक्रिया और तेज़ व सुविधाजनक हो सकेगी। कोटक महिंद्रा बैंक के प्रेसिडेंट एवं हेड - बिज़नेस बैंकिंग, एफ्लुएंट, एनआरआई और चीफ़ मार्केटिंग ऑफिसर, रोहित भसीन ने कहा, यह साझेदारी हर स्तर पर एमएसएमई व्यवसायों को सहयोग देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सैमसंग ने गैलेक्सी जेड फ्लिप7 और जेड फ्लिप7 एफई पर आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की

गुरुग्राम, भारत - 8 अगस्त 2025 - भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज हाल ही में लॉन्च किए गए गैलेक्सी जेड फ्लिप7 और जेड फ्लिप7 एफई पर सीमित समय के आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की। नए ऑफर्स में, गैलेक्सी जेड फ्लिप7

अधिकतम 12,000 रुपये तक के बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस के साथ केवल 97,999 रुपये में उपलब्ध होगा। इसी तरह, गैलेक्सी जेड फ्लिप7 एफई अधिकतम 10,000 रुपये के बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस के साथ केवल 85,999 रुपये में उपलब्ध होगा।

गैलेक्सी जेड फ्लिप7 और जेड फ्लिप7 एफई खरीदने के इच्छुक उपभोक्ताओं के लिए इस डील को और आकर्षक बनाने के लिए, बैंक कैशबैक और अपग्रेड बोनस ऑफर्स को 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प के साथ जोड़ा जा सकता है।

ट्रांसलाइन टेक्नोलॉजीज लि. ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। विशेष टेक्नोलॉजी-समाधान प्रदाता कंपनी ट्रांसलाइन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने बाजार नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। यह कंपनी इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी और सर्विलांस सिस्टम, बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन प्लेटफॉर्म और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित सॉफ्टवेयर उत्पादों के डिजाइन, विकास और डिप्लॉयमेंट पर ध्यान केंद्रित करती है। पनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से इक्विटी शेयर पूंजी से फंड जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ के ऑफर का कुल आकार 1,61,91,500 इक्विटी शेयरों तक की 'बिक्री पेशकश' है, जिसका अंकित मूल्य 2 रुपये प्रति शेयर है। ट्रांसलाइन टेक्नोलॉजीज का बिजनेस मॉडल कई स्रोतों से रेवेन्यू उत्पन्न करता है, जिसमें प्रोजेक्ट-आधारित सिस्टम इंटीग्रेशन कॉन्ट्रैक्ट, सॉफ्टवेयर-ए-ए-सर्विस (सास) सब्सक्रिप्शन, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर उत्पादों की बिक्री और तकनीकी सेवाएं जैसे वार्षिक रखरखाव और मैनेज्ड सपोर्ट शामिल हैं।

डब्ल्यूडी ब्लैक एसएन7100 एनवीएमई एसएसडी भारत में उपलब्ध हुई

मुंबई, एजेंसी। सैनडिस्क की गेमिंग ड्राइव डब्ल्यूडी ब्लैक एसएन7100 एनवीएमई एसएसडी भारत में उपलब्ध हो गई है। हाई परफॉरमेंस डब्ल्यूडी ब्लैक एसएन7100 गेमर्स के लिए बनाई गई है, ताकि वो आज के अत्यधिक विजुअल और इमर्सिव गेम खेल सकें, जो फाईल साईज़ में लगातार बढ़ते रहते हैं।

सैनडिस्क के सीनियर डायरेक्टर सेल्स इंडिया, खालिद वानी ने कहा जैसे-जैसे गेम्स की जटिलता बढ़ रही है, और उनके लिए विशाल स्टोरेज की जरूरत पड़ रही है, वैसे-वैसे गेमर्स को उच्च परफॉरमेंस वाली एसएसडी की जरूरत पड़ रही है, ताकि लंबे गेमप्ले के लिए पॉवर एफिशिएंसी मिल सके। एसएन7100 एनवीएमई एसएसडी गेमिंग की अगली जनरेशन के लिए बनाई गई ड्राइव है, जो बेहतरीन परफॉरमेंस, उच्च क्षमता और तेज लोड टाइम प्रदान करती है। यह गेमर्स को अपना सबसे अच्छा गेम दिखाने में मदद करती है।

ओप्पो इंडिया ने पेश की ओप्पो के13 टर्बो सीरीज 5जी

मुंबई, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने ओप्पो के13 टर्बो सीरीज 5जी पेश की है। इस सीरीज़ में दो स्मार्टफोन हैं, ओप्पो के13 टर्बो प्रो 5जी और ओप्पो के13 टर्बो 5जी। ये बिल्ट-इन कूलिंग फैन के साथ आने वाले भारत के पहले स्मार्टफोन हैं, जो स्मार्टफोन थर्मल मैनेजमेंट में नए मानक स्थापित कर रहे हैं। इन्हें शानदार परफॉर्मेंस और मल्टीटास्किंग के लिए डिज़ाईन किया गया है। इसलिए यह सीरीज़ गेमिंग, हैवी मल्टीटास्किंग, और लंबे समय तक आउटडोर इस्तेमाल के लिए उत्तम है। इसमें आधुनिक एक्टिव और पैसिव थर्मल डिज़ाईन, शक्तिशाली प्रोसेसर, और 80वॉट सुपरवूक फास्ट चार्जिंग के साथ 7,000एमएएच की दमदार बैटरी दी गई है। यह 120हर्ट्ज़ आई-फ्रेंडली ई-स्पोर्ट्स लेवल की

फ्लैट स्क्रीन के साथ आता है। के13 टर्बो सीरीज भारी टास्क के लिए भी सतत और हाई-परफॉर्मेंस अनुभव प्रदान करती है। इसलिए यह आज के डायनामिक और परफॉर्मेंस पर केंद्रित युवाओं के लिए उत्तम सीरीज़ है।

ओप्पो इंडिया के हेड ऑफ प्रोडक्ट कम्युनिकेशन, सैवियो डिसूज़ा ने कहा के13 टर्बो सीरीज हैवी परफॉर्मेंस पसंद करने वाले गेमर्स और हैवी यूज़र्स के लिए बनी है, जो अपने स्मार्टफोन में पॉवर, स्पीड, एंड्योरेंस के साथ बेहतरीन कूलिंग भी चाहते हैं। ये दोनों स्मार्टफोन आधुनिक थर्मल डिज़ाईन, हाई-परफॉर्मेंस चिपसेट, जीवंत हाई-रिफ्रेश डिस्प्ले, और बड़ी क्षमता की बैटरी के साथ जबरदस्त परफॉर्मेंस प्रदान करते हैं। जिससे फ्लैगशिप ग्रेड की गेमिंग और पूरे दिन शानदार प्रोडक्टिविटी मिलती है। आम स्मार्टफोन में होने वाली हीटिंग और बैटरी ड्रेन की समस्या इन सीरीज़ में नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोहित शर्मा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे, पाकिस्तानी बल्लेबाज को पछाड़ा

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पावर-हिटर टिम डेविड और दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने आईसीसी टी20आई रैंकिंग में भारी बढ़त हासिल की है। दूसरी तरफ पाकिस्तान के शीर्ष बल्लेबाज बाबर आजम तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जिससे भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

डेविड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, पुरुषों की टी20ई बल्लेबाजी रैंकिंग में छह स्थानों की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके हमवतन कैमरन ग्रीन भी इसी सूची में छह स्थानों की छलांग लगाकर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के युवा ब्रेविस डार्विन में अपने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन की बदौलत 100 रैंकिंग से बाहर रहने के बाद 21वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 125* रनों की धमाकेदार पारी खेलकर प्रोटियाज को तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर करने में मदद की। अपने पहले टी20आई शतक के साथ ब्रेविस ने दक्षिण अफ्रीका के लिए किसी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड बनाया। यह उनका इस प्रारूप में अपने देश के लिए नौवां मैच था। उनके साथी ट्रिस्टन स्टब्स टी20आई बल्लेबाजों की सूची में 12 पायदान की छलांग लगाकर 27वें स्थान पर पहुंच गए।

टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड तीन पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा 15 पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और लुंगी एनगिडी 14 पायदान ऊपर चढ़कर 50वें स्थान पर पहुंच गए।

पुरुषों की टेस्ट रैंकिंग की बात करें तो न्यूजीलैंड के कई खिलाड़ियों ने घर से बाहर जिम्बाब्वे पर 2-0 से सीरीज जीतने के बाद सफलता का स्वाद चखा। अनुभवी तेज गेंदबाज मैट हेनरी को 9.12 की औसत से 16 विकेट लेने के बाद प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की और टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए जिससे ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस चौथे स्थान पर खिसक गए।

बल्लेबाजों की श्रेणी में रचिन रवींद्र (15 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर), डेवोन कॉनवे (सात स्थान ऊपर चढ़कर 37वें स्थान पर) और हेनरी निकोल्स (छह स्थान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर) को जिम्बाब्वे में उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला।

वनडे सूची में पाकिस्तान के शीर्ष क्रम के स्टार बाबर वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए। अपनी बेहतरीन तकनीक के लिए मशहूर बाबर ने तीन मैचों में 18.66 की औसत से 56 रन

बनाए। रोहित शर्मा दूसरे नम्बर पर जबकि शुभमन गिल पहले स्थान पर कायम हैं।

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में वेस्टइंडीज के स्पिनर गुडाकेश मोती श्रृंखला के पहले दो मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद पांच पायदान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए। उनके साथी और कैरेबियाई टीम के तेज गेंदबाज जेडन सील्स 24 पायदान की छलांग लगाकर 33वें स्थान पर पहुंच गए। इस बीच पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर अबरार अहमद तीन पायदान चढ़कर 54वें स्थान पर पहुंच गए।

आईओए ने भारत में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए देश की बोली को बुधवार को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी। आज यहां आयोजित आईओए की विशेष आम बैठक (AGM) में यह फैसला लिया गया। भारत ने 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही रुचि पत्र जमा कर दिया था और अब उसके पास अंतिम बोली प्रस्ताव दाखिल करने के लिए 31 अगस्त तक का समय है।

बैठक के बाद IOA अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'मुझे खुशी है कि सभी एकमत हैं और यह सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय है और हमारी तैयारियां आगे बढ़ेंगी। हम यह नहीं कह सकते कि अहमदाबाद मेजबानी शहर होगा या नहीं। हमारे पास भुवनेश्वर और दिल्ली में भी अच्छी सुविधाएं हैं।' भारत के अलावा, नाइजीरिया, कनाडा और दो अन्य देशों ने भी इस बहु-खेल आयोजन की मेजबानी में रुचि दिखाई थी। हालांकि कनाडा ने इस वर्ष जून में इस दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया था।

खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेलों के अधिकारियों की एक टीम ने हाल ही में प्रस्तावित आयोजन स्थलों का निरीक्षण करने और गुजरात सरकार के प्रतिनिधियों से मिलने के लिए अहमदाबाद का दौरा किया। इस महीने के आखिर में एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के आने की उम्मीद है। 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अंतिम मेजबान देश का फैसला ग्लासगो में नवंबर के अंतिम सप्ताह में राष्ट्रमंडल खेल की आम बैठक होगा।

जेडन सील्स ने डेल स्टेन का रिकॉर्ड किया ध्वस्त, पाकिस्तान के 6 बल्लेबाजों का लिया विकेट

मैनचेस्टर (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने तीसरे वनडे मैच में पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज टीम ने 3 साल के बाद वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। जेडेन सील्स की कालितना गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज ने धमाकेदार जीत अपने नाम की। वहीं इस दौरान सील्स ने दिग्गज गेंदबाज डेल स्टेन का 12 साल पुराना बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। जेडेन सील्स ने अपने वनडे करियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े दर्ज किए। वेस्टइंडीज के इस गेंदबाज ने पाकिस्तान की पूरी टीम को 29.2 ओवर में 92 के स्कोर पर समेट दिया था। जेडेन सील्स ने 7.2 ओवर में 18 रन देकर 6 विकेट लिए। उनकी इस खतरनाक गेंदबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को सिर्फ92 रनों पर ढेर कर दिया। सील्स ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में सबसे बेहतर बॉलिंग आंकड़े दर्ज किए। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन का 2013 में बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ा। डेल स्टेन ने 9 ओवर में 39 रन देकर 6 विकेट लिए थे। 295 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही उसने तीसरे ओवर में मात्र आठ रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिए। सैम अयूब, अब्दुल्लाह शफीक और कप्तान मोहम्मद

रिजवान को जेडेन सील्स को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। सील्स का अगला शिकार बाबर आजम बने। आगा सलमान ने अपनी टीम के लिए सर्वाधिक 30 रनों की पारी खेली। उन्हें गुडाकेश मोती ने अपनी गेंद पर कैच आउट किया। हसन नवाज और नसीम शाह 6 रन बनाकर आउट हुए।

पाकिस्तान को करारी शिकस्त देकर वेस्टइंडीज ने खत्म किया 34 साल का सूखा

टरूबा (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे में पाकिस्तान को 202 रन से रौंद दिया। इसके साथ ही विंडीज टीम ने सीरीज भी 2-1 से अपने नाम की। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने कप्तान शाई होप के नाबाद शतक के दम पर 50 ओवर में छह विकेट पर 294 रन बनाए। जवाब में मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तान की टीम 29.2 ओवर में 92 रन पर सिमट गई।

तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला पाकिस्तान ने पांच विकेट से जीता था। इसके बाद दूसरे वनडे को वेस्टइंडीज ने डकवर्थ लुईस नियम से पांच विकेट से अपने नाम किया था। इसके साथ ही वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान से मिली टी20 सीरीज में हार का बदला भी ले लिया। तीन मैचों की टी20 सीरीज पाकिस्तान ने 2-1 से अपने नाम की थी। शतवीर होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, सीरीज में तीन मैचों में सबसे ज्यादा 10 विकेट लेने वाले जेडन सील्स प्लेयर

ऑफ द सीरीज बने।

पाकिस्तान के कप्तान रिजवान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही थी। ब्रैंडन किंग पांच रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए थे। इसके बाद एविन लुईस और केसी कार्टी ने दूसरे विकेट के लिए 47 रन जोड़े। लुईस 54 गेंद में एक चौका और तीन छक्कों की मदद से 37 रन और कार्टी 17 रन बनाकर आउट हुए। फिर कप्तान होप ने शेरफेन रदरफोर्ड के साथ चौथे विकेट के लिए 45 रन जोड़े। रदरफोर्ड 40 गेंद में 15 रन बना सके। इसके बाद चेज ने होप के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 64 रन जोड़े।

चेज ने 29 गेंद में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 36 रन की तेजतर्रार पारी खेली। इगुडाकेश मोती पांच रन बना सके। वहीं, होप ने फिर जस्टिन ग्रीव्स के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 110 रन की अटूट साझेदारी कर वेस्टइंडीज को 294 के स्कोर तक पहुंचाया। होप ने वनडे करियर का 18वां शतक पूरा किया। वह 94 गेंद में 10 चौके और पांच छक्कों की मदद से 120 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, ग्रीव्स ने 24 गेंद में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 43 रन की नाबाद पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह और अबरार अहमद को दो-दो विकेट मिले। वहीं, सैम अयूब और मोहम्मद नवाज को एक-एक विकेट मिला।

जवाब में पाकिस्तान के शीर्ष चार फ्लॉप रहे। टीम के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। इनमें से पांच बल्लेबाज तो खाता तक नहीं खोल सके। टीम 29.2 ओवर में 92 रन पर सिमट गई। सैम अयूब, अब्दुल्लाह शफीक, कप्तान रिजवान, हसन अली और अबरार अहमद खाता नहीं खोल सके। वहीं, बाबर आजम नौ रन बना सके। सलमान आगा 30 रन, हसन नवाज 13 रन और मोहम्मद नवाज नाबाद 23 रन ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। हुसैन तलत एक रन और नसीम शाह छह रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज की ओर से जेडन सील्स ने 7.2 ओवर में 18 रन देकर छह विकेट लिए। इसके अलावा मोती को दो विकेट मिले। चेज ने एक विकेट लिया।

पाकिस्तान बनाम वेस्टइंडीज : शतक के साथ शाई होप ने हासिल कर ली यह उपलब्धि

टरूबा। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में नाबाद शतक जड़ते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। शाई होप वेस्टइंडीज की ओर से वनडे फॉर्मेट में 18 शतक जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। वह सर्वाधिक शतकों के मामले में तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। सबसे ज्यादा वनडे शतक जड़ने वाले वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की लिस्ट में शाई होप से ऊपर क्रिस गेल और ब्रायन लारा का नाम है। गेल ने 298 मुकाबलों में 25 शतक, जबकि ब्रायान लारा ने 295 मैचों में 19 शतक अपने नाम किए थे। शाई होप ने यह शतकीय पारी उस समय खेली, जब वेस्टइंडीज को इसकी बेहद जरूरत थी। पाकिस्तान तीन मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच अपने नाम कर चुका था, जिसके बाद वेस्टइंडीज ने अगला मुकाबला जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। ऐसे में तीसरा और अंतिम मुकाबला निर्णायक बन गया। त्रिनिदाद में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम महज 68 रन तक अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी। यहां से शाई होप ने कप्तानी पारी खेलते हुए टीम को संभाला। शाई होप ने शेरफेन रदरफोर्ड (15) के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 रन जोड़े। वहीं, जस्टिन ग्रीव्स के साथ उन्होंने 110 रन की अटूट साझेदारी करते हुए वेस्टइंडीज की पारी को 294/6 के स्कोर तक पहुंचाया। शाई होप ने 83 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके वनडे करियर का 18वां शतक था, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ यह उनका दूसरा वनडे शतक था। शाई होप ने इस पारी में 94 गेंदों का सामना किया, जिसमें पांच छक्कों और 10 चौकों के साथ 120 रन बनाए, जबकि ग्रीव्स 24 गेंदों में 43 रन बनाकर नाबाद रहे।

हरभजन ने एशिया कप में पाकिस्तान से मैच का बहिष्कार करने की अपील की

नई दिल्ली। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करने की मांग तेज होती जा रही है। कई क्रिकेट प्रशंसकों के बाद अब पूर्व स्पिनर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने भी कहा है कि इस मैच को नहीं खेलना चाहिये। एशिया कप में भारत और पाक का मुकाबला 14 सितंबर को होना है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच जारी तनाव के कारण पाक से क्रिकेट मैच का विरोध किया जा रहा है। हरभजन ने कहा, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। हम उनको इतना

महत्व क्यों देते हैं? हमारे जवान घर नहीं आते और हम क्रिकेट खेलने चले जाते हैं। हरभजन ने हाल में हुई विश्व चैंपियनशिप ऑफ लिजेंड्स में भी पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की मांग की थी और इंडिया चैम्पियंस टीम ने पाक से सभी मैचों का बहिष्कार किया था। इसमें सेमीफाइनल मैच भी शामिल था। इंडिया लिजेंड्स में हरभजन सिंह के अलावा युवराज सिंह, शिखर धवन, इरफान पठान, यूसुफ पठान, सुरेश रैना जैसे पूर्व क्रिकेटर शामिल थे। इन भी ने कहा कि देश पहले है। वह फाइनल भी होता तो पाकिस्तान से नहीं खेलते। वहीं जब हरभजन से यह पूछा गया कि क्या एशिया कप में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करना चाहिए तो उन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने वाले जांबाजों का उदाहरण दिया। उनका जवाब था, 'मेरे लिए हमारे देश का वो जवान जो सीमा पर खड़ा हुआ है, उनका परिवार कई दिनों तक उनको नहीं देख पाता है। उनका सर्वोच्च बलिदान हो जाता है, वो घर वापस नहीं लौट पाते हैं। उनका इतना बड़ा बलिदान होता है, वहीं हम एक क्रिकेट मैच छोड़ने पर भी फैसला नहीं कर पाये हैं।' उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का भी तो यही रुख है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। देश सबसे पहले आता है। क्रिकेट मैच न खेलना बहुत मामूली चीज है देश के सामने। उन्होंने उम्मीद जताई कि सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगी।

यास्तिका और राधा चमकी, भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को तीन विकेट से हराया

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। यास्तिका भाटिया के अर्धशतक और कप्तान राधा यादव की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ए ने बुधवार को यहां पहले महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलियाई टीम को 48 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हरा दिया। इस जीत से भारत अब तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे हो गया है।

बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 45 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 47.5 ओवर में 214 रन पर समेट दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद भाटिया (70 गेंदों पर 59 रन) की अगुवाई में बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन से 42 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। भाटिया ने

शेफाली वर्मा (31 गेंदों पर 36 रन) के साथ अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए केवल 10.4 ओवर में 77 रन जोड़े।

शेफाली के सियाना जिंजर की गेंद पर आउट होने के बाद भाटिया ने धारा गुज्जर (53 गेंदों पर 31 रन) के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़े जिससे भारत ने 23.3 ओवर में एक विकेट पर 140 रन बना लिए। लेकिन गुज्जर और भाटिया जल्दी-जल्दी आउट हो गई, जिससे भारत ए का स्कोर तीन विकेट पर 157 रन हो गया।

ऑफ स्पिनर एला हेवर्ड (46 रन पर दो विकेट) ने फिर 30वें और 32वें ओवर में तेजल हसब्निस और तनुश्री सरकार को आउट कर दिया, जिससे मेहमान टीम का स्कोर पांच विकेट पर 166 रन हो गया। राघवी बिष्ट (34 गेंदों पर नाबाद 25 रन) ने ऐसे समय में जिम्मेदारी संभाली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पहले अनिका लियरयोड (90 गेंदों पर नाबाद 92 रन) और रशेल ट्रेनमैन (62 गेंदों पर 51 रन) की ठोस पारियों के बावजूद ऑस्ट्रेलिया बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहा।

ईडी के सामने पेश हुए सुरेश रैना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना बुधवार को ऑनलाइन बेटिंग ऐप (अवैध सट्टेबाजी) मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। ईडी ने रैना को पूछताछ के लिए नोटिस दिया था। जिसके बाद ही वह आज पूछताछ के लिए ईडी मुख्यालय पहुंचे। रैना इस ऑनलाइन बेटिंग ऐप के ब्रांड एंबेसडर हैं और ईडी इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। पुलिस ने यह भी पाया है कि ये ऐप्स सीधे तौर पर कानूनों का उल्लंघन करते हैं। ईडी के अनुसार रैना का नाम इस मामले में उनके कुछ विज्ञापनों और एंडोर्समेंट्स के कारण जोड़ा जा रहा है। ईडी की टीम ने पूछताछ में रैना से ऑनलाइन ऐप के साथ उनके संबंधों, एंडोर्समेंट डील और किसी भी वित्तीय लेन-देन की पूरी जानकारी मांगी है। यह पूछताछ 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' के तहत हुई। जांच में यह सामने आया है कि जब ऐप यूजर द्वारा पेमेंट की जाती थी तो रोजाना रिसीवर का नाम और ब्यौरा बदल जाता था, लेकिन बाद में पैसा ऑनलाइन ऐप अकाउंट में पहुंच जाता था। इसी कारण ईडी को संदेह हुआ। इस ऐप के जरिए पैसा विदेश भेजा जा रहा था। इस प्रकार से जुड़े मामलों में रैना के अलावा कई अन्य हस्तियों के नाम भी सामने आए हैं। ईडी की जांच का दायरा कई करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी तक फैला हुआ है। जांच एजेंसी इन प्लेटफॉर्म्स के सभी प्रमोटर्स और उनसे जुड़े तमाम लोगों से पूछताछ कर रही है। वहीं यह प्लेटफॉर्म अपने को कौशल-आधारित खेलों की मेजबानी करने वाला प्लेटफॉर्म बताता है, पर इनमें ऐसे एल्गोरिथम का इस्तेमाल किया गया है, जो मौजूदा भारतीय कानूनों के तहत उन्हें जुए की श्रेणी में रखते हैं। ऑन लाइन ऐप ने भी रैना को गेमिंग एम्बेसडर बनाते हुए उन्हें जिम्मेदारर एंबेसडर बताया था।

आईसीसी की दो स्तरीय प्रणाली का विरोध करेगा वेस्टइंडीज बोर्ड : क्रिस डेहरिंग

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड इस बात से चिंतित है कि अगर आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए दो स्तरीय प्रणाली अपनायी तो वह शीर्ष टीमों से बाहर हो जाएगी। इसका कारण है कि अभी तक डब्लयूटीसी के तीनों संस्करणों में वेस्टइंडीज की टीम आठवें स्थान पर रही है और इस बार भी उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीनों टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा है जिससे वह काफी पीछे हो गयी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी क्रिस डेहरिंग ने कहा है कि हितधारककों ने भी इस बारे में अपनी बात रखी है। इस बारे में हुई बैठक के बाद डेहरिंग ने कहा, ' हमें इस बारे में भूमिका अदा करनी होगी, हमें आईसीसी के सामने अपनी बात रखनी होगी। हमें उन तमाम बदलावों को लेकर अधिक सावधान रहना होगा और वेस्टइंडीज क्रिकेट के रूप में हमें यह तय करना होगा कि हम दो स्तरीय प्रणाली का सख्त विरोध करें।

इससे पहले आईसीसी ने न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर टूज के नेतृत्व में एक कार्यसमूह (वर्किंग ग्रुप) का गठन किया था जिसका लक्ष्य 2025-2027 के चक्र से पहले डब्ल्यूटीसी में सुधार सहित अन्य मुद्दों पर विचार करना था। जुलाई में आयोजित आईसीसी की वार्षिक बैठक में दो स्तरीय प्रणाली लागू करने का मामला सबसे अहम पहलू था। वहीं आईसीसी बोर्ड में न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रतिनिधि टूज के बोर्ड को सुझाव देने की उम्मीदें हैं। दो स्तरीय प्रणाली पर पिछले 15 वर्षों से भी अधिक समय पर बहस चल रही है, आईसीसी ने साल 2009 में ही इस पर विचार करने की इच्छा व्यक्त की थी पर तब पूर्ण सदस्य देश विभिन्न कारणों से इस मामले पर सहमत नहीं रहे हैं। वेस्टइंडीज बोर्ड की आपात बैठक में क्लाइव लॉयड, ब्रायन लारा और विव रिचर्ड्स जैसे पूर्व क्रिकेटर भी शामिल थे और लॉयड ने आईसीसी द्वारा सदस्य देशों को दिए जाने वाले वित्तीय हिस्से की ओर इशारा करते हुए कहा कि 70 और 80 की दशक में शीर्ष टीम और 90 के दशक में एक सफल टीम रही वेस्टइंडीज अपने प्रदर्शन में आई गिरावट के बाद भी आर्थिक सहायता की अधिकारी है।

लॉयड ने कहा, 'हमें यह देखने होगा कि आईसीसी में पैसे के बंटवारे को लेकर क्या हो रहा है। भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को 18 करोड़ मिलेंगे जबकि वेस्टइंडीज को अफगानिस्तान और बांग्लादेश की तरह 8 करोड़ मिलेंगे। हम अगले 100 वर्ष तक उस ग्रुप में बने रहने से सिर्फ दो साल दूर हैं। मेरे विचार में यह सही नहीं है और हमें आवाज उठानी होगी क्योंकि जब हम अच्छा खेल रहे थे तो हर कोई हमारे साथ खेलना चाहता था। लॉयड ने आगे कहा, 'हम नियमित तौर पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से खेला करते थे और जब हम भारत या पाकिस्तान जाते थे तो मैदान पर लाखों की भीड़ एकत्रित होती थी। जिसका लाभ हमें अब मिलना चाहिये।

सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत रद्द की, एक सप्ताह में सरेंडर करने के आदेश

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार को करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत रद्द करते हुए उन्हें एक सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया है। सुशील जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मुख्य आरोपी हैं। शीर्ष अदालत की एक पीठ ने सागर के पिता अशोक धनखड़ की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा सुशील को दी गई जमानत रद्द करते हुए उन्हें एक सप्ताह में सरेंडर करने के लिए कहा है। सागर के पिता ने सुशील को जमानत दिये जाने के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। सागर की हत्या 4 मई 2021 को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग क्षेत्र में हुए झगड़े में हुई थी। इस दौरान उनके दो दोस्तों पर भी हमला हुआ था। आरोप है कि यह हमला सुशील कुमार और उनके साथियों ने संपत्ति विवाद के कारण किया गया। सागर हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल में उसकी मौत हो गयी थी। वहीं उसके साथी भी गंभीर रुप से घायल हुए। इस मामले के बाद सुशील कुमार फरार हो गये थे। उन्हें दिल्ली पुलिस ने 23 मई 2021 को मुंडका इलाके से गिरफ्तार किया था। तब सुशील एक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी की स्कूटी पर रकम लेने पहुंचे थे। गिरफ्तारी के बाद उनसे उन्हें रेलवे की नौकरी से निलंबित कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। अक्टूबर 2022 में कई धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत उनपर आरोप तय किए गए। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में सुशील को साजिश का मास्टरमाइंड बताया। पुलिस ने दावा किया कि उन्होंने कुश्ती जगत में अपना दबदबा कायम करने के लिएही ये हमला करवाया। वहीं सुशील ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि वे पहले ही साढ़े तीन साल जेल में रहे हैं। मुकदमे में अब तक 222 में से केवल 31 गवाहों के बयान दर्ज हुए हैं। इन्हीं आधारों पर दिल्ली हाईकोर्ट ने मार्च 2024 में उन्हें जमानत दी थी, जिसे शीर्ष अदालत ने रद्द कर दिया है। गौरतलब है कि सुशील कुमार ने बीजिंग ओलंपिक 2008 में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने लंदन ओलंपिक 2012 में रजत पदक जीता था। वहीं एशियाई खेलों में उनके नाम स्वर्ण पदक है। इसके अलावा भी इस पहलवान के नाम कई कुश्ती स्पर्धाओं में पदक हैं।

वो पल हमेशा यादगार रहेगा, गावस्कर ने साझा किया एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पसंदीदा क्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में हुई इंग्लैंड और भारत के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी ने प्रशंसको को कई रोमांचक पल दिए। लॉर्ड्स में अंतिम दिन इंग्लैंड की जीत से लेकर ओवल में भारत की जीत तक। यह एक ऐसी सीरीज थी जिसे आने वाले वर्षों तक याद रखा जाएगा। अंततः ट्रॉफी दोनो टीमों ने 2-2 से बराबरी पर साझा की। जिसमें मेन इन ब्लू ने ओवल में पांचवे टेस्ट में 6 रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

मोहम्मद सिराज ही थे जिन्होंने फाइनल मैच में मेहमान टीम के लिए उत्प्रेरक का काम किया। उन्होंने 103 रन देकर 5 विकेट लिए और गस एटकिंसन के रूप में मैच का आखिरी विकेट लिया। सिराज ने एक शानदार यॉर्कर से बल्लेबाज को आउट किया जिससे उनके विकेट बिखर गए और भारत ने एक शानदार जीत दर्ज की। भारत के दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के इस पल को अपना सबसे पसंदीदा पल बताया। उन्होंने कहा कि यह पल भारतीय प्रशंसको को लंबे समय तक याद रहेगा। सुनील गावस्कर ने कहा, 'श्रृंखला में कई यादगार पल होंगे। गिल की बल्लेबाजी बहुत कम ही आपको इतनी शुद्ध बल्लेबाजी देखने को मिलती है और उनकी कप्तानी, स्टोक्स का बल्ले और गेंद दोनों से अद्भुत प्रयास, भारतीय तेज गेंदबाजो के मैराथन स्पैल, जो रूट के शानदार शतक, ऋषभ पंत की बल्लेबाजी, जैसा कि केवल वह कर सकते है, और हैरी ब्रुक की भी, और दोनो की चहचहाहट भी, जैसा कि केवल वे ही कर सकते है।' गावस्कर ने आगे कहा 'लेकिन मोहम्मद सिराज की यॉर्कर हमेशा याद रहेगी जिसने गस एटकिंसन का ऑफ स्टंप उड़ा दिया और भारत को जीत दिलाकर सीरीज बराबर कर दी। टेस्ट क्रिकेट में पिछले निराशाजनक सीजन के बाद, यह निस्संदेह भारतीय क्रिकेट प्रेमियो के लिए हाल के दिनो का सबसे खुशी का पल होगा। शुक्रिया, शुभमन और आपके खिलाड़ी।' गौर है कि सिराज गेंदबाजी विभाग में भारतीय टीम के लिए स्टार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 9 पारियो में 23

विकेट अपने नाम किए। बुमराह की अनुपस्थिति में टीम के मुख्य तेज गेंदबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम को बड़े विकेट दिलाने की जिम्मेदारी संभाली।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

कहीं देर न हो जाए, भूख से बिलख रहे बच्चों तक रोशनी पहुंचाएं पोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पॉप सिंगर मैडोना ने पोप लियो चौदहवें से अनुरोध किया है कि वे युद्धग्रस्त गाजा जाएं और वहां संकटग्रस्त बच्चों तक अपनी रोशनी पहुँचाएं। मैडोना ने सोशल मीडिया पर पोप को एक संदेश लिखा है, जिसमें उन्होंने गाजा में बच्चों की पीड़ा को कम करने में मदद करने के लिए गाजा जाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, पोप जल्द वहां पहुंचकर भय-भूख से तड़प रहे बच्चों को रोशनी पहुंचाएं। मैडोना ने लिखा, परम पूज्य फादर, कृपया गाजा जाएँ और बच्चों तक अपनी रोशनी पहुँचाएँ, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। एक माँ होने के नाते, मैं उनकी पीड़ा नहीं देख सकती। दुनिया के बच्चे सबके हैं। 65 वर्षीय गायिका ने आगे लिखा, आप हममें से अकेले हैं जिन्हें वहां प्रवेश से वंचित नहीं किया जा सकता। इन मासूम बच्चों को बचाने के लिए हमें मानवीय द्वार पूरी तरह से खोलने की ज़रूरत है। अब और समय नहीं है। मैडोना ने आगे लिखा है, कृपया कहिए कि आप जाएंगे।

इजरायल को दुनिया का ऊर्जा केंद्र कहती हैं मौडोना

मैडोना ने 2005 में अनौपचारिक रूप से अपने नाम में एस्तेर जोड़ लिया था। हालांकि, वह कुछ यहूदी त्योहार मनाती हैं, लेकिन वह यहूदी नहीं हैं। 65 वर्षीय गायिका, शब्बत के कारण शुक्रवार की रात और शनिवार को प्रस्तुति नहीं देतीं । वह इजरायल को दुनिया का ऊर्जा केंद्रकहती रही हैं। मैडोना का तेल अवीव में भी एक घर है। उन्होंने इस देश में तीन संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं।

60 हजार फिलिस्तीनियों की हो चुकी है मौत

पिछले 22 महीने से गाजा इजरायली सुरक्षा बलों के हमले में तबाही झेल रहा है। इस दौरान इजरायली सैन्य हमलों में लगभग 60,000 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से आधे महिलाएं और बच्चे हैं। अभी भी वहां रह रहे लोग भय और भूख के साए में हैं। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में 1,200 लोगों की मौत के बाद इजरायल ने गाजा में युद्ध छेड़ दिया था। हमास ने 251 लोगों को बंधक भी बना लिया था।

16 सितंबर को भारत आएंगे नेपाल के प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली दो दिवसीय दौरे पर 16-17 सितंबर को भारत आ सकते हैं। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि उनकी यात्रा के दौरान व्यापार, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, संपर्क, जलविद्युत व सीमा समेत कई मुद्दों पर वार्ता होगी। इससे पहले सितंबर के अंत में ओली के आने के कयास लगाए जा रहे थे।

25 अगस्त को अमेरिका दौरे पर जाएंगे दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्युंग इस महीने के अंत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए वाशिंगटन जाएंगे। ली के कार्यालय ने मंगलवार को बताया कि इस मुलाकात में परमाणु हथियारों से लैस उत्तर कोरिया और अन्य खतरों के साथ ही व्यापार और रक्षा सहयोग पर चर्चा होगी। 25 अगस्त को म्युंग और ट्रंप में होने वाली शिखर वार्ता जुलाई में दोनों देशों के बीच हुए एक व्यापार समझौते के बाद होगी, जिसमें वाशिंगटन ने दक्षिण कोरिया पर अपने पारस्परिक शुल्क को शुरू में प्रस्तावित 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत करने का एलान किया था। दक्षिण कोरियाई कारों पर भी यही कम दर लागू करने पर सहमति बनी थी, जो अमेरिका को दक्षिण कोरिया से होने वाला सबसे बड़ा निर्यात है। ली के प्रवक्ता कांग यू-जंग ने कहा कि दक्षिण कोरिया ने अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र में 100 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद और देश में 350 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने पर भी सहमति व्यक्त की है। दोनों नेता अपनी बैठक में सेमीकंडक्टर, बैटरी और जहाज निर्माण जैसे प्रमुख उद्योगों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा कर सकते हैं।

पेंटागन के पूर्व अफसर ने उड़ाई खिल्ली, कहा- वर्दी वाले लादेन हैं आसिम मुनीर, ट्रंप को भी लपेटा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तुलना अलकायदा आतंकी ओसामा बिन लादेन से की है। रुबिन ने कहा कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर सेना की वर्दी पहने हुए ओसामा बिन लादेन हैं। उनकी यह तीखी टिप्पणी आसिम मुनीर के हालिया परमाणु हमले की टिप्पणी के बाद आई है।

पूर्व पेंटागन अधिकारी ने पाक सेना प्रमुख के रुख की कड़ी निंदा की है और पाकिस्तान पर एक दुष्ट देश की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया। रुबिन ने कहा कि अमेरिकी धरती पर पाकिस्तान की धमकियाँ पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। यह कई लोगों के मन में सवाल खड़ा कर रही है कि क्या पाकिस्तान एक राष्ट्र के रूप में अपनी ज़िम्मेदारियाँ निभा सकता है या उसे ख़त्म करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर का बयान ओसामा बिन लादेन से सुनी बातों की याद दिलाता है।

मुनीर ने कहा था- आधी दुनिया को ले डूबेंगे

बता दें कि अमेरिका दौरे पर गए पाक सेना प्रमुख मुनीर ने भारत के खिलाफ परमाणु हमले की गीदड़भभकी दी थी और कहा था कि आधी दुनिया को ले डूबेंगे। आसिम मुनीर ने पिछले दिनों फ्लोरिडा के टैम्पा में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान कथित तौर पर चेतावनी दी थी कि अगर पाकिस्तान डूबा तो वह अपने साथ आधी दुनिया को भी ले डुबेगा। मुनीर ने कहा था, हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं। अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को भी अपने साथ ले डूबेंगे।

अवांछित व्यक्ति घोषित हों आसिम मुनीर

पूर्व पेंटागन अधिकारी ने आगे कहा कि ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन को इस्लामाबाद को गैर-नाटो सहयोगी नहीं मानना चाहिए। उन्होंने कहा, पाकिस्तान पहला बड़ा गैर-नाटो सहयोगी होना चाहिए जिसे आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देश के रूप में सूचीबद्ध किया जाए और उसे अब अमेरिकी सेंट्रल कमांड का सदस्य नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुनीर को अमेरिका में अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाना चाहिए और उन्हें तब तक अमेरिकी वीज़ा नहीं मिलना चाहिए जब तक कि वह अपनी सफाई न दें और माफी न मांग लें।

आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देशों की सूची में डालना चाहिए

रुबिन ने आसिम मुनीर को वर्दी वाला लादेन करार देते हुए कहा कि पाकिस्तान की सोच और रणनीति में किसी भी तरह के रियायत देने पर भी बदलाव संभव नहीं है। रुबिन ने पाक सेना प्रमुख की इस टिप्पणी पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पाकिस्तान आधी दुनिया को परमाणु हथियारों की धमकी दे रहा है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पाकिस्तान ने एक वैध राज्य होने का अपना अधिकार खो दिया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिका पाकिस्तान के संबंधों पर विचार करे और उसे आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देशों की सूची में डाला जाना चाहिए।

न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध नृत्य महोत्सव में 15 अगस्त को होगा भारत दिवस

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क में 44वें वार्षिक बैटरी नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसका आयोजन 12 से 16 अगस्त तक चलेगा। यह सबसे लंबे समय से चला आ रहा सार्वजनिक नृत्य महोत्सव है। भारतीय स्वतंत्रता दिवस के दिन यानी 15 अगस्त को इस नृत्य महोत्सव में शक्ति - स्त्री की दिव्य ऊर्जा - के सार पर केंद्रित नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की जाएंगी। 15 अगस्त को महोत्सव में भारत दिवस का आयोजन होगा, जो शक्ति - दिव्य ऊर्जा का एक मिश्रित कार्यक्रम होगा, जिसमें वैश्विक कलाकारों द्वारा स्त्री के सार और रचनात्मकता को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। बैटरी डांस के संस्थापक और कलात्मक निदेशक जोनाथन हॉलैंडर ने बताया, पिछले दो वर्षों से हमारा ध्यान पुरुष, यानी पुरुष नर्तकों पर केंद्रित था, और इस वर्ष हमने इसे बदल दिया है और हमारा ध्यान शक्ति, दिव्य ऊर्जा पर केंद्रित होगा। हॉलैंडर ने कहा, आज की दुनिया के लिए यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है, जहां बहुत सारे संघर्ष और विखंडन जारी हैं। भारत दिवस कार्यक्रम को न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास और न्यूयॉर्क स्थित भारतीय स्टेट बैंक ने फंडिंग की है। कार्यक्रम में पिट्सबर्ग के नंदनिक नृत्य दल और कोलकाता के कोरियोग्राफर और एकल कलाकार सुभाजीत खुश दास देवी काली पर एक नई प्रस्तुति देंगे। साथ ही कोरियोग्राफर बिजयिनी सत्पथी, माया कुलकर्णी, सोनाली स्कंदन, स्वाति गुंडापुनीदी-अटलुरी, सुभाजीत खुश दास, रंजीत बाबू और मालिनी श्रीनिवासन द्वारा ओडिसी, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कथकली की शैलियों में नृत्य कार्यक्रम किए जाएंगे।

अमेरिका के पेनसिल्वेनिया में स्टील प्लांट में धमाका, 2 की मौत, 10 घायल

पिट्सबर्ग , एजेंसी। अमेरिकी राज्य पेनसिल्वेनिया पिट्सबर्ग में यूएस स्टील प्लांट में सोमवार को जोरदार धमाका हुआ। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग अस्पताल में भर्ती कराए गए। धमाके के बाद कई छोटे-छोटे विस्फोट भी हुए और काले धुएं का गुबार आसमान में फैल गया।

इस प्लांट में पहले भी हुए हतसे

हादसा सुबह करीब 10:51 बजे हुआ। धमाके के बाद एक घायल कर्मचारी को मलबे से घंटों बाद बाहर निकाला गया। पास के इलाकों में झटका महसूस किया गया, जिससे स्थानीय प्रशासन ने लोगों को घटना स्थल से दूर रहने की अपील की। यूएस स्टील के चीफ मैन्युफैक्चरिंग ऑफिसर स्कॉट बुकिसो ने कहा कि फिलहाल धमाके के कारण और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों ने तेजी से गैस सप्लाई बंद की और फंसे हुए साथियों को बाहर निकाला। कंपनी अब जापान की निप्पॉन स्टील कॉर्प की सहायक इकाई है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर जांच कर रही है। इस प्लांट में 2009 में धमाके में एक मजदूर की मौत हुई थी। 2010 में हुए धमाके में 20 लोग घायल हुए थे। 2014 में एक कर्मचारी की मौत ट्रेंच में गिरने से हुई थी। सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर पहले भी कंपनी पर जुर्माना लग चुका है।

पाकिस्तान ने भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों की गैस सप्लाई रोकी

लोकल वेंडर्स को गैस सिलेंडर न देने के निर्देश, मिनरल वाटर और न्यूज पेपर भी बंद किए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों में गैस सप्लाई बंद कर दी है। इसके अलावा स्थानीय गैस सिलेंडर सप्लायर्स को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलेंडर न बेचें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद ने मिनरल वाटर और न्यूजपेपर की सप्लाई भी रोक दी है। पाकिस्तान ने यह फैसला भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले की कार्रवाई के तौर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ की योजना का हिस्सा है। इसके तहत पाकिस्तान बदले की छोटी-छोटी कार्रवाइयां कर रहा है। जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में तैनात पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है। पाकिस्तान पहले भी ऐसी हरकतें कर चुका है। 2019 में पुलवामा हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारतीय डिप्लोमैट्स को इसी तरह परेशान किया था। उस समय, भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया, उप उच्चायुक्त जे.पी. सिंह, और नौसेना सलाहकार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को इस तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा था। इन घटनाओं में लगातार पीछा करना, सुरक्षाकर्मियों से पूछताछ करना और फर्जी फोन कॉल करना जैसी हरकतें शामिल थीं। द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, इस्लामाबाद में भारतीय

राजनयिकों को परेशान करने की 19 घटनाएं हुईं। राजनयिकों के उत्पीड़न में इस बढ़ोतरी के बाद भारतीय उच्चायोग ने यह मुद्दा पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के सामने उठाया था।

पाकिस्तान का यह कदम वियना कन्वेंशन का उल्लंघन : पाकिस्तान के गैस, पानी और अखबार रोकने का फैसला वियना कन्वेंशन ऑन डिप्लोमैटिक रिलेशंस (1961) का उल्लंघन है। कन्वेंशन के आर्टिकल 25 के मुताबिक मेजबान देश को डिप्लोमैटिक मिशन के सुचारू काम के लिए सभी सुविधाएं देनी होती हैं। पाकिस्तान ने जानबूझकर ये बुनियादी सप्लाई रोककर मिशन के काम और राजनयिकों की रोजमर्रा की जिंदगी में रुकावट डाली। कन्वेंशन का मकसद है कि डिप्लोमैट बिना भय और हस्तक्षेप के काम कर सकें। पाकिस्तान की ये हरकतें सीधे तौर पर दबाव का माहौल बनाने की कोशिश हैं।

ट्रंप ने ईजे एंटनी को श्रम सांख्यिकी ब्यूरो का प्रमुख बनाया, नौकरी और महंगाई का डेटा रखती है एजेंसी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नौकरी और महंगाई के आंकड़े जारी करने वाली एजेंसी ब्यूरो ऑफ लेबर स्टेटिक्स (श्रम सांख्यिकी ब्यूरो) के प्रमुख के पद पर रूढ़िवादी अर्थशास्त्री ईजे एंटनी की नियुक्ति की है। ईजे एंटनी कंजर्वेटिव हेरिटेज फाउंडेशन के मुख्य अर्थशास्त्री है। अभी एंटनी की नियुक्ति को सीनेट से मंजूरी मिलना बाकी है।

एरिका मैकएंटार्फर की जगह लेंगे एंटनी

ट्रंप ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और ईजे यह सुनिश्चित करेंगे कि जारी किए गए आंकड़े ईमानदारी और पूरी सटीकता के साथ जारी किए जाएं। अगर ईजे एंटनी के नाम को सीनेट से मंजूरी मिल जाती है, तो वह एरिका मैकएंटार्फर की जगह लेंगे। ईजे एंटनी की सरकारी खर्च, कराधान और केंद्रीय बैंक की नीतियों के गहन विश्लेषण में विशेषज्ञता है। एंटनी ने नॉर्दर्न इलिनोइस विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है और कई शैक्षणिक संस्थानों में अध्यापन किया है। एंटनी के व्यापक राजकोषीय प्रोत्साहन पैकेजों की आलोचनाएं और दीर्घकालिक ऋण संचय के बारे में चेतावनियां जैसे लेख प्रकाशित हुए हैं।

रोजगार के आंकड़ों से ट्रंप ने जताई थी नाराजगी

एरिका को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में श्रम सांख्यिकी ब्यूरो का आयुक्त नियुक्त किया गया था। ट्रंप ने 1 अगस्त को मैकएंटार्फर को बर्खास्त कर दिया था। दरअसल बीते दिनों मैकएंटार्फर ने जुलाई महीने में रोजगार के आंकड़े जारी किए थे। इन आंकड़ों में बताया गया था कि मई और जून में रोजगार वृद्धि अनुमान से काफी कम रही थी। ट्रंप ने इस रिपोर्ट पर नाराजगी जाहिर की थी और बिना किसी ठोस सबूत के राजनीतिक कारणों से रोजगार के आंकड़ों में हेराफेरी करने का आरोप लगाया था।

यमन के शीर्ष नेता ने की भारत से दोस्ती की तारीफ

सना , एजेंसी। यमन के शीर्ष नेता रशद अल-अलीमी ने भारतीय राजदूत के साथ एक बैठक में अपने मुल्क की भारत के साथ सहकारी द्विपक्षीय संबंधों और गहरी दोस्ती की खासी तारीफ की। यमन के राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के प्रमुख अल-अलीमी ने रविवार को रियाद में भारतीय राजदूत सुहेल खान से मुलाकात में गर्मजोशी से भरा यह संदेश दिया। भारतीय दूतावास के मुताबिक, भारतीय राजदूत डॉ खान, उप मिशन प्रमुख अबू मैथेन और प्रथम सचिव ऋषि त्रिपाठी के साथ अल-अलीमी से मिले। बैठक में भारत-यमन संबंधों को और मजबूत करने व द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई।

अमेरिका के टेक्सास में टारगेट स्टोर के बाहर फायरिंग, 3 की मौत, आरोपी गिरफ्तार

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिकी राज्य टेक्सास के ऑस्टिन में सोमवार दोपहर एक व्यक्ति ने टारगेट स्टोर की पार्किंग में अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इसमें कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले एक कार चुराकर भागा, फिर उसका एक्सीडेंट हो गया और उसने एक डीलरशिप से दूसरी कार चुरा ली। करीब 32 किलोमीटर दूर साउथ ऑस्टिन में पुलिस ने उसे टेसर का पकड़ लिया। ऑस्टिन पुलिस चीफ लिसा डेविस ने बताया कि आरोपी की उम्र करीब 30 साल है और उसका मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा इतिहास है। फायरिंग की घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:15 बजे हुई।

मौके पर पहुंचे अधिकारियों को 3 लोग गोली लगने से घायल मिले, जिनमें से 2 की मौके पर ही मौत हो गई और तीसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एक अन्य व्यक्ति को मामूली चोटें आईं। डेविस ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई। फिलहाल पीड़ितों की पहचान जारी नहीं की गई है।

इंडोनेशिया : अदालत ने समलैंगिकों को दी बेंत से पीटने की सजा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के रूढ़िवादी आसेह प्रांत में एक इस्लामी शरिया अदालत ने दो पुरुषों को यौन कृत्य में लिप्त रहने के जुर्म में सार्वजनिक रूप से 80-80 बेंत पीटने की सजा सुनाई। प्रांतीय राजधानी बैंडा आसेह की इस्लामी शरिया जिला न्यायालय में यह मुकदमा बंद कमरे में चला। इस समलैंगिक जोड़े (दोनों की उम्र 20-21 साल) को अप्रैल में तमन सारी सिटी पार्क में स्थित एक ही शौचालय में घुसते देखा गया था और तभी इनकी गिरफ्तारी हुई थी।

मुझे 2 मिनट के अंदर पता चल जाएगा कि कोई डील होगी या नहीं: डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात होने वाली है। इस मीटिंग को लेकर डोनाल्ड ट्रंप खासे उत्साहित हैं और उन्हें लगता है कि रूस और यूक्रेन के बीच जंग को वे रुकवा सकेंगे। इजरायल और ईरान के बीच जंग से लेकर कई युद्धों को रुकवाने का दावा करने वाले ट्रंप ने एक बार फिर से मजेदार बात की है। उन्होंने कहा कि व्लादिमीर पुतिन के साथ मीटिंग में 2 मिनट के अंदर उन्हें पता चल जाएगा कि कोई डील होगी या नहीं। यूक्रेन से जंग रुकने की डील मुझे दो मिनट में पता चला जाएगी। यदि ऐसा नहीं होना होगा तो वह भी पता चल जाएगा। वाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने यह बात कही। वॉशिंगटन शहर की पुलिस की कमान अपने हाथों में लेने की जानकारी देते हुए ट्रंप ने रूस की भी बात की। ट्रंप ने कहा, मीटिंग के अंत में और जहां तक संभव है शुरुआती दो मिनट में ही पता चल जाएगा कि कोई डील होगी या नहीं। उनकी इस बात पर एक रिपोर्टर ने यह भी पूछा कि आखिर आपको दो मिनट के अंदर कैसे पता चल जाएगा कि डील हो पाएगी या नहीं। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया कि मैं डील ही करता हूं और मेरे पास इसका अनुभव है। शुक्रवार को दोनों नेताओं की बहुप्रतीक्षित मुलाकात होने वाली है। ट्रंप का कहना है कि उन्हें इस मीटिंग से काफी उम्मीदें हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह मीटिंग अच्छी भी हो सकती है और खराब भी। ट्रंप न कहा, बहुत कुछ भाग्य पर निर्भर करता है, लेकिन बढ़ते रहना है। मैं इतना कह सकता हूं कि हम एक अच्छी डील करेंगे। पहले डोनाल्ड ट्रंप चाहते थे कि इस मीटिंग में वोलोदिमीर जेलेंस्की भी आएं, लेकिन उनका आने का इरादा नहीं है। वजह यह भी है कि शायद व्लादिमीर पुतिन नहीं चाहते कि वह जेलेंस्की के साथ कोई डील करें। इस पर ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की तो अपने स्तर पर कई मीटिंग कर चुके हैं।

पुलिसिंग की भूमिका में अमेरिकी सेना के इस्तेमाल पर ट्रंप पर मुकदमा शुरू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के अपने निर्वासन प्रयासों का समर्थन करने और लॉस एंजिल्स में प्रदर्शनों को दबाने के लिए नेशनल गार्ड बलों के इस्तेमाल को लेकर सोमवार को ऐतिहासिक मुकदमा शुरू हुआ। यह अमेरिकी सड़कों पर सैनिकों की तैनाती के खिलाफ लंबे समय से चले आ रहे मानदंडों को तोड़ने के फैसले को कानूनी चुनौती है। सैन फ्रांसिस्को स्थित अमेरिकी जिला न्यायाधीश चार्ल्स ब्रेयर के समक्ष तीन दिवसीय गैर-जूरी यह तय करेगी कि क्या सरकार ने 19वीं सदी के उस कानून का उल्लंघन किया था, जो जून में ट्रंप द्वारा सैनिकों की तैनाती के समय सेना को नागरिक कानून प्रवर्तन से रोकता है। जैसा कैलिफोर्निया ने कानूनी चुनौती में दावा किया है। ब्रेयर ने सोमवार की सुनवाई की शुरुआत में कहा, अदालत को जिस तथ्यात्मक प्रश्न का समाधान करना चाहिए, वह यह है कि क्या घरेलू कानून लागू करने को सेना का इस्तेमाल हुआ था। अगर हां, तो क्या यह खतरा बना है कि ऐसा फिर से किया जा सकता है। प्रशासन इस बात से इन्कार करता है कि सैनिकों का इस्तेमाल नागरिक कानून प्रवर्तन में किया गया था और यह दिखाने की योजना बना रहा कि वे संघीय संपत्ति और अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) एजेंटों की सुरक्षा कर रहे थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लुधियाना सेंट्रल जेल में आधी रात को हुई चेकिंग...15 मोबाइल फोन और 1 वाईफाई डोंगल मिला

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब की लुधियाना सेंट्रल जेल में बंद हवालाती किसी न किसी जुगाड़ से मोबाइल फोन बैरकों तक पहुंचा रहे हैं। इसके बाद जेल प्रशासन द्वारा अक्सर जांच-पड़ताल की जाती है, कई बार आधी रात को भी अचानक चेकिंग होती है। हाल ही में दो अलग-अलग मामलों में कुल 15 मोबाइल फोन और 1 वाईफाई डोंगल हवालातियों से बरामद हुए हैं। मामले में जेल प्रशासन ने थाना डिवीजन नंबर 7 में एफआईआर दर्ज करवा दी है। सहायक सुपरिटेंडेंट राजीव कुमार ने जेल के विभिन्न ब्लॉकों में अचानक चेकिंग अभियान चलाया, इसमें अलग-अलग बैरकों और बाथरूम की भी जांच की गई। इस जांच के बाद अधिकारियों को कुल 15 मोबाइल फोन मिले, जो विभिन्न कंपनियों के थे। वहीं एक वाईफाई डोंगल भी मिली है। बदमाश हवालाती वाईफाई डोंगल की मदद से जेल के अंदर से इंटरनेट का इस्तेमाल करते थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी मोबाइल और वाईफाई डोंगल की मदद से किन लोगों के संपर्क में थे। जो मोबाइल सिम इनके मोबाइल से मिले है वह किन लोगों के नाम पर चल रहे है। बता दें कि मान सरकार में जेल मंत्री लाल जीत सिंह भुल्लर ने भी जेल का निरीक्षण कर प्रशासन को सख्त आदेश दिए थे कि जेल में आए दिन चैकिंग अभियान चलाते रहे। वहीं कई हवालातियों ने समस्याएं भी उन्होंने सुनी थी। पुलिस ने आरोपी अर्जुन भाटी, महम्मद अफजल, कमलजीत सिंह, शरणजीत सिंह, धन्जय उर्फ दीपू, अनीकेत बुरी पर धारा एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

दिल्ली पुलिस आर्म सप्लायर सलीम पिस्टल को नेपाल से लाई भारत

-बिश्नोई, हाशिम बाबा गैंग को करता था हथियार सप्लाई, पाक से है कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के पहले दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। भारत के मोस्ट वांटेड आर्म सप्लायर सलीम पिस्टल को नेपाल से भारत लाया गया है। पुलिस की स्पेशल सेल सलीम पिस्टल को बुधवार को दिल्ली लेकर पहुंची। अब दिल्ली पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसी भी उससे पूछताछ करेगी। उसे जनकपुरी स्थित सेप्शल सेल दफ्तर में रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सलीम पिस्टल यूपी के कई बाहुबली से टच में था। पाकिस्तान से भारत आने वाले अत्याधुनिक हथियारों की खेप का सबसे बड़ा मास्टरमाइंड भी सलीम है। सलीम पिछले कई सालों से पाकिस्तान से हथियार की सप्लाई भारत में करवाता था। सलीम पिस्टल पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के आरोपी का गुरु भी है। सुरक्षा एजेंसियों को सलीम के पाकिस्तान आईएसआई और डी कंपनी से लिंक के सुराग मिले हैं। सलीम पिस्टल साल 2018 में एक बार दिल्ली में गिरफ्तार हुआ था। इसके बाद से वह विदेश भाग गया था। बता दें मुंबई के बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में भी सलीम पिस्टल का नाम सामने आया था। लॉरेश बिश्नोई, हाशिम बाबा समेत देश के कई गैंगस्टर को सलीम पाकिस्तान से आने वाले अत्याधुनिक हथियारों की खेप सप्लाई करता था। वह दिल्ली के सीलमपुर का रहने वाला है।

मूक-बधिर युवती के साथ गैंगरेप, मुठभेड़ के बाद दो आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में 22 वर्षीय मूक-बधिर युवती के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 11 अगस्त की रात बलरामपुर के बहादुरपुर देहात में एक 22 वर्षीय मूक-बधिर युवती के साथ गैंगरेप किया गया। पीड़िता रात करीब 8 बजे अपने नाना-नानी के घर से लौट रही थी, तभी युवती को अगवा कर एक सुनसान खेत में ले जाया गया। रात 9 बजे तक घर न पहुंचने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की और फिर युवती को खेत में बेहोशी की हालत में पाया। इसके बाद तुरंत जिला महिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर है। घटना का पता तब चला जब पीड़िता का एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह परेशान हालत में सड़क पर भागती हुई दिख रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास कुमार ने तुरंत एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबरों की मदद से आरोपियों की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने अंकुर वर्मा (21) और हर्षित पांडे (22) को संदिग्धों के रूप में चिह्नित किया। बुधवार रात करीब 12:30 बजे, पुलिस ने दोनों संदिग्धों को बाहरी इलाके में देखा, जो कथित तौर पर नेपाल भागने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस से सामना होने पर आरोपियों ने गोलीबारी की, जिसका पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में जवाब दिया। इस मुठभेड़ में दोनों संदिग्ध घायल हो गए, जिसके बाद उन्होंने आत्मसमर्पण कर अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस इस मामले में अन्य संभावित आरोपियों की भी जांच कर रही है और विशेषज्ञों की मदद से पीड़िता से मिली जानकारी को समझने का प्रयास कर रही है। यह मामला अभी भी पुलिस जांच के दायरे में है।

नशे की हालत में सीएचसी अधीक्षक ने डॉक्टर को जड़ा थप्पड़, वीडियो वायरल

प्रयागराज (एजेंसी)। जिले के कौड़िहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में विगत रात एक शर्मनाक घटना घटित हो गई जबकि अधीक्षक डॉ. अनुराग तिवारी ने कथित तौर पर शराब के नशे में जूनियर डॉक्टर के साथ मारपीट और अभद्रता की। घटना का वीडियो वायरल हो गया, जिसमें अधीक्षक लड़खड़ाते हुए जूनियर डॉक्टर रविंद्र पांडेय के पास जाते हैं और उसके चेहरे पर थप्पड़ मारते नजर आते हैं। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार रात करीब 10 बजे डॉ. अनुराग ने नशे में हंगामा किया, गालियां दीं और अस्पताल परिसर में खड़ी बाइक को लात मारकर गिरा दिया। फार्मासिस्ट पंकज सिंह भी उनके साथ मौजूद था और उसने भी शराब पी रखी थी। वीडियो में साफ दिख रहा है कि जूनियर डॉक्टर हाथ जोड़कर बार-बार छोड़ने की गुहार लगा रहा है, लेकिन अधीक्षक अभद्रता जारी रखते हैं।

सिंधु नदी जल समझौते को लेकर उछल रहे, पाकिस्तान को भारत ने दिया दूसरा दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को झटका दिया है। सिंधु नदी जल समझौते को स्थगित करने और पश्चिमी नदियों पर बनाई जाने वालीं जल विद्युत परियोजनाओं के डिजायन की व्याख्या करने वाले अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले से पाकिस्तान बहुत खुश था और उछल रहा था लेकिन भारत ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के कथित फैसले को यह कहकर खारिज कर दिया है कि यह उसके अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है।

अक्टूबर 2022 में, विश्व बैंक ने भारत की इस चिंता को स्वीकार करने के बावजूद कि दो जगहों पर एक ही समय एक ही मुद्दे पर कार्यवाही व्यावहारिक और कानूनी चुनौतियाँ पैदा कर सकती है, एक तटस्थ विशेषज्ञ और एक मध्यस्थता न्यायालय, दोनों की नियुक्ति की थी। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले के बाद पाकिस्तान फिर से भारत के सामने गिड़गिड़ा रहा है कि सिंधु जल संधि को लागू किया जाए। दूसरी तरफ, भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई नहीं करता, तब तक सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी।

दरअसल, पाकिस्तान पश्चिम की तीन नदियों (चिनाब, झेलम और सिंधु) पर बनाए जाने वाले नए रन-ऑफ-रिवर जलविद्युत परियोजनाओं के लिए डिजाइन मानदंडों की व्याख्या करने वाले अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के फैसले से गदगद था और वह कहता फिर रहा था कि यह सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) पर उसके रुख को पुष्ट करता है, जिसे भारत ने पहलगाम हमले के बाद स्थगित कर दिया था। लेकिन अब भारत ने पाकिस्तान की खुशियों पर फिर से पानी फेर दिया है। भारत ने कभी भी मध्यस्थता न्यायालय को मान्यता नहीं दी है, जिसने कथित तौर पर यह फैसला सुनाया था कि भारत को पश्चिमी नदियों के पानी को पाकिस्तान के उपयोग के लिए बिना रोक-टोक और किसी प्रतिबंध के बहने देना चाहिए। भारत ने मध्यस्थता न्यायालय की जगह तटस्थ विशेषज्ञ तंत्र पर ध्यान केंद्रित किया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा था, भारत द्वारा स्थापित होने वाले जल विद्युत संयंत्र सिंधु जल संधि में निर्धारित आवश्यकताओं और निर्दिष्ट अपवादों के अनुरूप ही होना चाहिए, न कि भारत द्वारा आदर्श या सर्वोत्तम प्रथाओं के दृष्टिकोण के अनुरूप होना चाहिए। हालांकि, इस पर अभी भारत की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है और उसे बुधवार को आने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सूत्रों ने पाकिस्तान को याद दिलाया है कि जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा और रतले परियोजनाओं पर लंबे समय से चल रहे विवादों के बीच सिंधु जल संधि में संशोधन की अधिसूचना पहले ही जारी कर दी गई थी। सूत्रों ने यह भी बताया कि भारत ने विश्व बैंक के उस फैसले को कभी स्वीकार ही नहीं किया, जिसमें एक ही मुद्दे पर तटस्थ विशेषज्ञ तंत्र और पाकिस्तान के आग्रह पर मध्यस्थता न्यायालय, दोनों को एक साथ सक्रिय किया गया था। यही कारण है कि संधि विवाद समाधान प्रक्रिया पर पुनर्विचार की मांग की गई है।

केजरीवाल और सिसोदिया की याचिका पर सुनवाई 12 नवंबर तक टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज केस को रद्द करने की मांग कर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले की सुनवाई 12 नवंबर तक के लिए टाल दी गई है।

अपनी याचिका में केजरीवाल और सिसोदिया ने तर्क दिया कि ईडी ने इस मामले में केस चलाने के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली थी, इसलिए केस को रद्द कर देना चाहिए। वहीं ईडी की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने बताया कि केस चलाने की अनुमति ले ली गई थी और इस निचली अदालत में पेश भी किया गया था। आम आदमी पार्टी की वकील रेबेका जॉन ने ईडी के दावे का खंडन कर कहा कि नई अनुमति 14 फरवरी 2025 को रिकॉर्ड पर रखी गई थी, जिससे उनका मूल आधार नहीं बदलता। ईडी ने पिछले साल जुलाई में केजरीवाल के खिलाफ 7वीं चार्जशीट दायर की थी, जिस पर निचली अदालत ने 9 जुलाई को संज्ञान लेकर कहा था कि केजरीवाल के खिलाफ केस चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 6 नवंबर को फैसला सुनाया था कि सरकारी कर्मचारी पर सरकार की अनुमति के बिना मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) के तहत केस नहीं चलाया जा सकता। यह फैसला सीबीआई और राज्य पुलिस पर भी लागू होता है। इस फैसले के बाद ईडी ने दिल्ली के उपराज्यपाल से अनुमति मांगी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 12 नवंबर को होगी।

वर्ल्ड बैंक के डेटा से खुलासा, भारत में जनसंख्या में बढ़ोतरी पर लगा ब्रेक

-साउथ कोरिया, जापान, रूस, इटली में हालात खराब, जन्मदर काफी नीचे

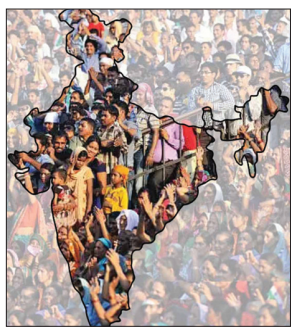

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश भी बन गया है। अब जनसंख्या में बढ़ोतरी पर अचानक ब्रेक लग गया है। इसका असर अगले कुछ दशकों में दिख सकता है। वर्ल्ड बैंक के 2023 के डेटा के मुताबिक भारत में आबादी की ग्रोथ अब हम दो हमारे दो की नीति से भी पीछे चला गया है। विश्व बैंक के मुताबिक भारत में जन्मदर अब 1.98 है, जबकि रिप्लेसमेंट लेवल के लिए माना जाता है कि यह 2.1 होनी चाहिए। भारत में ऐसे परिवारों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिनके एक ही संतान है या फिर वह संतान पैदा नहीं करना चाहते। इसका असर अब दिखने लगा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साउथ कोरिया, जापान, रूस, इटली जैसे देशों में हालात बदल गए हैं। यहां रिप्लेसमेंट लेवल से काफी नीचे जन्मदर चल गई है। हैरान करने वाला आंकड़ा साउथ कोरिया का है, यहां जन्मदर अब महज 0.72 है। इसका अर्थ है कि एक कपल अब औसतन एक बच्चा भी पैदा नहीं कर रहा है। इसके अलावा चीन में भी आंकड़ा 1 का है और जापान में यह 1.2 है। सिंगापुर में 0.97 है और अमेरिका में 1.62 और फ्रांस में 1.66 है। इस तरह दुनिया के ज्यादातर बड़े देशों की जन्मदर रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे चली गई है।

पूरी दुनिया में यह औसत 2.2 था, जो रिप्लेसमेंट लेवल से महज थोड़ा ही प्लस है। फिलहाल अफ्रीकी देशों और पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे देशों में ही जन्मदर रिप्लेसमेंट लेवल से काफी ज्यादा है। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में घटती जन्मदर के चलते बाजार कमजोर पड़ने, श्रम शक्ति के कम होने और वृद्ध आबादी के ज्यादा बोझ की चिंता बढ़ रही है। यही कारण है कि जापान, रूस और चीन जैसे देश बच्चे पैदा करने पर सरकारी लाभों का भी ऐलान कर रहे हैं। इसके बाद भी लोग परिवार बढ़ाने के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं। साउथ कोरिया में तो अलग से एक मंत्रालय बनाया गया है, जो फैमिली प्लानिंग के मसलों पर काम करता है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार पर चर्चा के लिए 18 अगस्त को इंडी गठबंधन की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता उपराष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार पर चर्चा के लिए 18 अगस्त को बैठक कर सकते हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इंडिया ब्लॉक के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत कर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी और शाम को मतगणना भी होगी। उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

भाजपा की ओर से थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार इस बीच, भाजपा इस पद के लिए अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित कार्यकर्ता को उम्मीदवार बना सकती है। फिलहाल जिन नामों पर पार्टी में विचार चल रहा है, उसमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। अन्य नाम सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का भी है।

लोकसभा और राज्यसभा का गणित

लोकसभा में कुल 542 सदस्यों में से एनडीए के पास 293 और इंडी गठबंधन के पास 234 सदस्य हैं। राज्यसभा में 240 सदस्यों की प्रभावी संख्या में से एनडीए को करीब 130 और इंडी गठबंधन को 79 सांसदों का समर्थन है।

कुल मिलाकर एनडीए के पास 423 और इंडिया ब्लॉक के पास 313 सांसदों का समर्थन है।

गहलोत अभी कर्नाटक के राज्यपाल हैं। 77 वर्षीय गहलोत राज्यसभा में सदन के नेता रह चुके हैं साथ ही केंद्रीय मंत्री का पद भी संभाल चुके हैं। भाजपा में वे सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई पार्लियामेंट्री बोर्ड के सदस्य भी रहे हैं। जातीय समीकरण (दलित) में भी वे फिट बैठते हैं। वे मध्य प्रदेश से हैं। उनके पास प्रशासनिक अनुभव भी है।

वहीं ओम माथुर अभी सिक्किम के राज्यपाल हैं। 73 वर्षीय माथुर पार्टी के कद्दावर नेता हैं और राजस्थान से आते हैं। वे गुजरात के चुनाव प्रभारी तब रहे हैं, जब पीएम मोदी वहां

के मुख्यमंत्री थे। वे मोदी के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भी करीबी हैं। माथुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रचारक रह चुके हैं। हरिवंश नारायण सिंह का जन्म 30 जून 1956 को यूपी के बलिया के सितांबदियारा गांव में हुआ। पेशे से पत्रकार रहे। 2014 में जदयू के टिकट पर बिहार से राज्यसभा सांसद चुने गए।

यूपी में बर्ड फ्लू का प्रकोप : रामपुर में 15,000 मुर्गियों की मौत, पूरे राज्य में अलर्ट

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में बर्ड फ्लू (एच5एन1) का गंभीर प्रकोप देखने को मिला है, जहाँ सीहोर गाँव के एक पोल्ट्री फार्म में करीब 15,000 मुर्गियों की मौत हो गई है। यह जानकारी बरेली के भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) और भोपाल की हाई-सिक्योरिटी एनिमल डिजीज लेबोरेटरी (एचएसएडीएल) में भेजे गए नमूनों में वायरस की पुष्टि होने के बाद सामने आई है। इसके बाद योगी सरकार ने पूरे रामपुर जिले में अगले तीन हफ्तों तक चिकन और अंडों की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। साथ ही प्रभावित पोल्ट्री फार्म के एक किलोमीटर के दायरे को सील कर दिया गया है, जबकि 10 किलोमीटर के क्षेत्र को निगरानी जोन घोषित किया गया है। संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए मृत पक्षियों को बड़े गड्ढों में डालकर दफनाया जा रहा है। सुरक्षा मानकों के तहत इन गड्ढों को चूने और केमिकल से ढकने की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है, ताकि वायरस के फैलाव को पूरी तरह से रोका जा सके।

एसआईआर विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने बिहार को बदनाम करने पर भी नाराजगी जाहिर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मामले की सुनवाई कर कहा कि एसआईआर वोटर फ्रेंडली है और यह वोटरों के खिलाफ नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार को बदनाम करने पर भी नाराजगी जाहिर की। विशेष रूप से प्रशासनिक सेवाओं में बिहार मूल के लोगों की भारी उपस्थिति के संदर्भ में।

दरअसल एसआईआर को लेकर बुधवार को दूसरे दिन सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई चल रही थी। तभी अभिषेक मनु सिंघवी इस मामले को लेकर अलग-अलग दलीलें दे रहे थे। तभी जस्टिस बागची ने सिंघवी से कहा कि उनका आधार बहिष्कार का तर्क समझ में आता है, लेकिन अन्य दस्तावेजों की संख्या का मुद्दा वास्तव में मतदाताओं के अनुकूल है और उनके खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि नागरिकता

साबित करने वाले दस्तावेजों की संख्या पर भी विचार किया जाना चाहिए।

बता दें, बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर बदलाव का मामला चर्चा में है। चुनाव आयोग ने 65 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाने का प्रस्ताव रखा, जिसमें 22 लाख मृत, 36 लाख स्थानांतरित, और 7 लाख दोहरे पंजीकरण वाले मतदाता शामिल हैं। विपक्षी दलों ने आयोग की इस कार्रवाई को 'वोट चोरी' और बीजेपी के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में बिहार की विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई जारी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनीं। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन और डॉ.सिंघवी ने याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखा। जबकि राकेश द्विवेदी ने चुनाव आयोग का बचाव किया।

सिंघवी ने लाल बाबू हुसैन मामले का हवाला देकर कहा कि पूर्व में मतदाता सूची में शामिल लोगों को हटाने के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन जरूरी है। उन्होंने चुनाव आयोग की गाइडलाइंस का जिक्र कर कहा कि आयोग ने पहले झारखंड में भी यही रुख अपनाया था।

बंगाल में मेरा पड़ोस, मेरा समाधान प्रोजेक्ट को मिल रही बड़ी सफलता: ममता

प्रोजेक्स का मकसद, सरकार सीधे जनता की जरूरतों के मुताबिक काम कर सके

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने राज्य में चल रहे मेरा पड़ोस, मेरा समाधान प्रोजेक्ट की अब तक की प्रगति की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट को पूरे राज्य में लोगों का समर्थन मिल रहा है और लाखों लोग इससे जुड़ रहे हैं। सीएम ममता के मुताबिक मंगलवार शाम तक के आंकड़े के मुताबिक अब तक 14,265 बूथ कवर किए गए हैं और कुल 80,681 बूथ कवर किए जाना हैं। इसके तहत 28,753 कैंप लगाए जाने हैं, जिनमें से अब तक 5,428 कैंप लगाए जा चुके हैं। अब तक कैंप में भाग लेने वाले लोगों की संख्या 29,51,164 है। प्रति कैंप औसतन प्रतिभागी 544 लोगों की है। अब

तक प्राथमिकता के आधार पर चुने गए प्रोजेक्ट 1,36,415 हैं।

सीएम ममता ने एक्स पोस्ट के जरिए बताया कि अब तक करीब 30 लाख लोग इन कैंपों में शामिल हुए हैं, जो इस योजना की सफलता का बड़ा प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि बंगाल के लोगों ने इस प्रोजेक्ट को दिल से अपनाया। यह हमारी सरकार की जनसेवा और लोगों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में जुटे सभी सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की मेहनत की सराहना की।

सीएम ममता ने कहा कि मैं उन सभी सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई देती हूं, जो दिन-रात मेहनत कर इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में लगे हैं। मेरा पड़ोस, मेरा समाधान प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समाधान करना और प्राथमिकता के आधार पर जरूरी प्रोजेक्ट शुरू करना है। इसके तहत प्रदेश भर में कैंप लगाकर लोगों से उनकी समस्याएं और सुझाव लिए जा रहे हैं, ताकि सरकार सीधे जनता की जरूरतों के मुताबिक काम कर सके।

बदलने लगा मानसून का स्वभाव: अब लंबे समय तक टिके रहने के पड़ रही है आदत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमूमन एक जून को भारत में आने वाला मानसून 15 अक्टूबर तक रहता है। इसके बाद विदा हो जाता है। लेकिन अब मानसून को थोड़ा ज्यादा टिकने की आदत पड़ रही है। एक दशक में 1.6 दिन ज्यादा रुकने लगा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के वैज्ञानिकों ने 1971 से 2020 के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इस अध्ययन से पता चला है कि मॉनसून की अवधि हर दशक औसतन 1.6 दिन बढ़ रही है। यानी अब मॉनसून पहले से ज्यादा देर तक रहता है। इसकी विदाई भी देर से होती है। सामान्य तौर पर मॉनसून 1 जून को केरल में शुरू होता है। 15 जुलाई तक पूरे भारत में फैलता है। 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक वापस चला जाता है। लेकिन अब यह समय बढ़ रहा है, खासकर उत्तर-पश्चिम भारत से विदाई में देरी हो रही है।

अध्ययन में पाया गया कि मॉनसून के सक्रिय दिनों की संख्या भी हर दशक 3.1 दिन बढ़ रही है। जून से सितंबर के बीच होने वाली बारिश साल की कुल बारिश का 75 प्रतिशत होती है, जबकि जून से अक्टूबर तक यह 79 प्रतिशत तक पहुंचती है। 1971-2020 के बीच बारिश के आंकड़ों में अंतर भी दिखा। खास तौर पर जून से अक्टूबर तक की बारिश फसलों पर ज्यादा असर डालती है, जो खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। मॉनसून अब सिर्फ मौसम का मुद्दा नहीं, बल्कि नीति बनाने का भी विषय बन गया है। सिंचाई, जलाशयों का प्रबंधन, और खाद्य सुरक्षा रणनीति को इसके हिसाब से बदलना होगा। मौसम विज्ञानियों, कृषि विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को मिलकर नई योजनाएं बनानी चाहिए, जो इस बदलते मानसून के साथ तालमेल बिठा सकें। वैज्ञानिकों का कहना है कि मॉनसून के बदलते स्वरूप को समझने के लिए और गहराई से अध्ययन की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए पेड़ लगाना, प्रदूषण कम करना और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देना जरूरी है। किसानों को नई तकनीक और बीज उपलब्ध कराने चाहिए, ताकि वे बदलते मौसम का सामना कर सकें। मॉनसून की देरी और लंबी अवधि खेती की समय-सारणी को बिगाड़ सकती है। बुवाई और कटाई का समय गड़बड़ा सकता है, जिससे किसानों को नुकसान हो सकता है। ज्यादा बारिश से बाढ़ और कम बारिश से सूखा का खतरा बढ़ रहा है। यह बदलाव जल प्रबंधन, बांधों की योजना और खाद्य भंडारण पर भी असर डालता है। उत्तर-पश्चिम भारत में देर से विदाई होने से वहां की फसलों को और चुनौती मिल रही है।

क्यों हो रहा यह बदलाव?

वैज्ञानिकों का मानना है कि क्लाइमेट चेंज और बढ़ते तापमान इसके पीछे की बड़ी वजह हैं। 1986 से 2015 के बीच भारत का औसत तापमान हर दशक में 0.15 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। आने वाले सालों में यह और तेज हो सकता है। ग्लोबल क्लाइमेट मॉडल (सीएमआईपी6) के अनुसार, तापमान में

एक डिग्री की बढ़ोतरी से मानसून की बारिश में 6 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। अल नीनो (समुद्री तापमान में बदलाव) भी बारिश के पैटर्न को प्रभावित कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)